RNI No.: UPHIN/25/A1697
GARVI GUJARAT
गरवी गुजरात
गरवी गुजरात
लखनऊ से प्रकाशित दैनिक
वर्ष : 01
अंक : 299
दि. 02.03.2026,
सोमवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

अमेरिका-ईरान युद्ध के चलते दुबई का एयरस्पेस बंद, लखनऊ से खाड़ी देशों के बीच 17 फ्लाइट्स रद्द

(जीएनएस)।

लखनऊ से दम्माम, मस्कट सहित सात डेस्टिनेशन के लिए आने-जाने वाली कुल 17 उड़ानें रद्द कर दी गईं। इनमें एयर इंडिया, इंडिगो और स्टार एयर के विमान शामिल हैं।

लखनऊः अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच युद्ध के चलते दुबई का एयरस्पेस बंद कर दिया गया है। इसके कारण लखनऊ से खाड़ी देशों के बीच हवाई यातायात ठप हो गया। शनिवार को लखनऊ से खाड़ी देशों में दम्माम, मस्कट सहित सात डेस्टिनेशन के लिए आने-जाने वाली कुल 17 उड़ानें रद्द कर दी गईं।

लखनऊ से दम्माम जाने वाली इंडिगो की उड़ान संख्या 6ई-097, कनेक्टिंग उड़ानें 6ई-083 और 6ई-081 निरस्त रहीं। वहीं दम्माम से लखनऊ आने वाली इंडिगो की 6ई-098 शनिवार को रद्द रही और रविवार को भी निरस्त रहेगी। इसके अलावा 64-082 और 6ई-084 भी रद्द की गई।

एयर इंडिया के विमान भी नहीं उड़े

अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच युद्ध की वजह से एयर इंडिया की एआई-2250 भी शनिवार को संचालित नहीं हुई। रियाद मार्ग पर लखनऊ से जाने वाली इंडिगो की 6ई-053 और 6ई-071 तथा रियाद से लखनऊ आने वाली 6ई-054 और 6ई-072 भी निरस्त रहीं। मस्कट के लिए इंडिगो की कनेक्टिंग उड़ान 6ई-1267 रद्द रही। रस अलखैमा मार्ग पर 6ई-1491 (लखनऊ रसअलखैमा) और 6ई-1492 (रसअलखैमा-लखनऊ) संचालित नहीं हुई।

स्टार एयर की चार उड़ानें भी रद्द शारजाह के लिए हुई-1423 तथा शारजाह से लखनऊ आने वाली 6ई-1424 और 6ई-1422 भी निरस्त कर दी गई। इसी क्रम में किशनगढ़ और झारसुगड़ा मार्ग पर स्टार एयर की चार उड़ानें भी रद्द कर दी गई। परिचालन कारणों से लखनऊ से किशनगढ़ की एस5-223, लखनऊ से झारसुगड़ा की एस5-229, झारसुगड़ा से लखनऊ की एस5-225 तथा किशनगढ़ से लखनऊ की एस5-222 निरस्त रहीं।

अमेरिकी हमले में मारे गए ईरानी सुप्रीम लीडर खामनेई

गौरतलब है कि अमेरिका और इजरायल हमले में ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई मारे जा चुके हैं। ईरान के सरकारी मीडिया ने उनकी मौत की पुष्टि की है। खामेनेई की मौत पर ईरान में 40 दिन का शोक घोषित किया गया है। खामेनेई की तेहरान स्थित उनके घर पर हुए हमले में मौत हुई है। यह कंपाउंड तेहरान के बीच में यूनिवर्सिटी के पास है। हमले में खामनेई की बेटी, दामाद और पोते भी मारे जा चुके हैं।

ऊर्जा दक्षता ब्यूरो ने 25वां स्थापना दिवस मनाया

विद्युत मंत्री ने 25वें स्थापना दिवस समारोह में भाग लिया

(जीएनएस)।

भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (बीईई) का 25वां स्थापना दिवस आज नई दिल्ली स्थित इंडिया हैबिटेट सेंटर में वरिष्ठ गणमान्य व्यक्तियों, नीति निमार्ताओं, सहयोगी संगठनों और देश भर के हितधारकों की उपस्थिति में मनाया गया।

श्री मनोहर लाल, विद्युत एवं आवासन और शहरी कार्य मंत्री ने मुख्य अतिथि के रूप में इस कार्यक्रम में भाग लिया। श्री पंकज अग्रवाल, विद्युत सचिव ने मुख्य भाषण दिया। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्रालयों, राज्य सरकारों, राज्य नामित एजेंसियों (एसडीए) और सहयोगी संस्थानों के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

श्री मनोहर लाल ने प्रसिद्ध कहावत, 'उपचार से बेहतर रोकथाम है,' का स्मरण करते हुए कहा कि ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (बीईई) विद्युत क्षेत्र के लिए एक निवारक संस्था के रूप में कार्य करता है। आज बचाई गई बिजली की प्रत्येक इकाई अतिरिक्त उत्पादन क्षमता की आवश्यकता को कम करने और उत्सर्जन को घटाने में सीधे तौर पर योगदान देती है। ऊर्जा-दक्ष प्रणालियों को अपनाकर हम न केवल पर्यावरण की रक्षा करते हैं बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्वच्छ और अधिक टिकाऊ भविष्य भी सुनिश्चित करते हैं। उन्होंने देश में ऊर्जा दक्षता पहलों को आगे बढ़ाने में बीईई

के महत्वपूर्ण योगदान की भी सराहना की।

श्री मनोहर लाल ने जलवायु संबंधी प्रतिबद्धताओं को पूरा करने और ऊर्जा दक्षता को राष्ट्रीय विकास के मूल स्तंभ के रूप में मजबूत करने में भारत की महत्वपूर्ण प्रगति के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि भारत ने 2005 के स्तर से अपने सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की उत्सर्जन तीव्रता में 36 प्रतिशत की कमी की है और 2030 के लक्ष्य से पहले ही 52 प्रतिशत गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित स्थापित क्षमता हासिल कर ली है।

उन्होंने नवीकरणीय ऊर्जा खपत दायित्व (आरसीओ), प्रदर्शन, उपलब्धि और व्यापार (पीएटी) योजना, कार्बन क्रेडिट ट्रेडिंग योजना (सीसीटीएस) के प्रसार, कॉर्पोरेट औसत ईंधन दक्षता (सीएएफई), एमएसएमई के लिए एडीईईटीआईई योजना, मानक और लेबलिंग (एस एंड एल) कार्यक्रम, ऊर्जा संरक्षण और सतत भवन संहिता (ईसीएसबीसी), और परिवहन क्षेत्र दक्षता उपायों सहित प्रमुख बीईई पहलों के तहत प्राप्त प्रमुख उपलब्धियों का उल्लेख किया।

उन्होंने आगे की राह पर जोर देते हुए विकसित भारत @2047 के विजन को प्राप्त करने में ऊर्जा दक्षता की भूमिका का उल्लेख किया साथ ही डेटा सेंटर और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे उभरते क्षेत्रों की ओर ध्यान आकर्षित किया। इसके लिए कुशल और टिकाऊ ऊर्जा प्रबंधन समाधानों की आवश्यकता है।

आज जब फिर से देश को सामाजिक एकता की सबसे ज्यादा जरूरत है तब... 350वें शहीदी समागम पर पीएम मोदी ने दिया संदेश

पीएम मोदी ने कहा कि सिख समुदाय की आस्था का सम्मान करना और उनकी प्रगति के लिए नए अवसर

सृजित करना हम अपना कर्तव्य समझते हैं, और इस सेवा को हम अपना सौभाग्य मानते हैं। साहस और सत्य के साथ खड़े रहने की भावना आज भी उतनी ही प्रासंगिक है जितनी गुरु तेग बहादुर साहिब के समय में थी। श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी समागम पर पीएम मोदी का संदेश

उपराष्ट्रपति ने केरल के त्रिशूर में चेतना गणाश्रम की नींव रखी

'भारत का संगीत एक आध्यात्मिक यात्रा है, एक ध्यान है, एक प्रार्थना है और जीवन का उत्सव है' - उपराष्ट्रपति

'संगीत हमारी सभ्यता में पवित्र गंगा की तरह बहता रहा है' - उपराष्ट्रपति

चेतना गणाश्रम, एक पर्यावरण-अनुकूल संगीत परिसर के रूप में, सामाजिक और धार्मिक सद्भाव को बढ़ावा देगा - उपराष्ट्रपति

'प्रत्येक स्वर की अपनी पहचान होती है लेकिन साथ मिलकर वे मधुरता का सृजन करते हैं इसी प्रकार, मनुष्य, भले ही भिन्न हों, एक उच्च उद्देश्य के साथ जुड़कर सद्भाव स्थापित कर सकते हैं' - उपराष्ट्रपति

'आज की तेज गति वाली और अक्सर तनावपूर्ण दुनिया में, संगीत चिकित्सा शक्ति पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक है' - उपराष्ट्रपति

(जीएनएस)।

भारत के उपराष्ट्रपति श्री सी.पी. राधाकृष्णन ने आज केरल के त्रिशूर में चेतना गणाश्रम की नींव रखी। यह सभी धर्मों के लोगों के लिए आध्यात्मिक जागृति का एक सांस्कृतिक और संगीत परिसर होगा।

चेतना गणाश्रम, कुरियाकोस एलियास सर्विस सोसाइटी (केईएसएस) की एक परियोजना और त्रिशूर स्थित सीएमआई देवमाता पब्लिक स्कूल की एक पहल है।

सभा को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि भारत में हजारों वर्षों पुरानी समृद्ध संगीत परंपरा है। 'भारत का संगीत मात्र ध्वनि नहीं है, यह एक आध्यात्मिक यात्रा है, एक ध्यान है, एक प्रार्थना है और जीवन का उत्सव है।' उन्होंने संगीत को भारत की प्राचीन सभ्यतागत आत्मा की शुद्धतम अभिव्यक्ति बताया और कहा कि यह एक शक्तिशाली धागा है जो लाखों दिलों को एक साझा लय में पिरोता है।

भारतीय संगीत की सभ्यतागत गहराई के बारे में बोलते हुए उन्होंने कहा कि वेदों की स्तुतियों से लेकर संतों की भक्तिमय अभिव्यक्तियों तक, संगीत पवित्र गंगा की तरह पूरे देश में बहता रहा है।

उपराष्ट्रपति ने प्राचीन दक्षिण भारत की जीवंत संगीत संस्कृति के ऐतिहासिक प्रमाण भी प्रस्तुत किए, जिनमें चोल राजाओं द्वारा निर्मित

बृहदीश्वर मंदिर के शिलालेख शामिल हैं, जिनमें सैकड़ों संगीतकारों और नर्तकों की नियुक्ति और समर्थन का उल्लेख है। उन्होंने कहा कि थेवरम जैसे पवित्र स्तुतियां नियमित रूप से मंदिरों में की जाती थी। यह भारत की संगीत विरासत की शाश्वतता को दशार्ती हैं।

भारत की विविध संगीत परंपराओं के बारे में बात करते हुए, उपराष्ट्रपति ने हिंदुस्तानी और कर्नाटक शास्त्रीय संगीत को ध्वनि का गहन विज्ञान बताया। उन्होंने त्यागराज की अमर रचनाओं, तानसेन की प्रतिभा और एम. एस. सुब्बुलक्ष्मी की पवित्र आवाज और रवि शंकर के वैश्विक प्रभाव का उल्लेख करते हुए कहा कि भारतीय संगीत ने सभी को प्रेरित किया है।

उन्होंने कहा कि पश्चिमी या भारतीय, सभी संगीत सात स्वरों पर आधारित है और सप्त स्वर मानवीय भावनाओं को प्रतिध्वनित करते हैं, श्वास को नियंत्रित करते हैं, हृदय गति को स्थिर करते हैं, तनाव कम करते हैं और एकाग्रता बढ़ाते हैं। उन्होंने कहा, ह्यह्यजब भोर में कोई सुंदर राग बहता है या कोई भक्तिमय भजन किसी पवित्र स्थान को भर देता है, तो संगीत औषधि बन जाता है ह्लह्ल

उपराष्ट्रपति ने चेतना गणाश्रम के पर्यावरण-अनुकूल संगीत परिसर के रूप में संगीत ध्यान और चिकित्सा के प्रति समर्पित दृष्टिकोण की सराहना की। उन्होंने कहा कि सात स्वर विविधता में एकता का प्रतीक हैं - प्रत्येक अलग होते हुए भी सामंजस्यपूर्ण है, जो मानवता के लिए एक गहरा पाठ सिखाते हैं।

उन्होंने गणाश्रम के समावेशी प्रबंधन की प्रशंसा की। इसमें विभिन्न धर्मों के लोग शामिल हैं, जिनमें गायक श्री के.जे. येसुदास जैसी प्रख्यात हस्तियां भी शामिल हैं। उन्होंने संगीत और ध्यान की आध्यात्मिक छत्रछाया में लोगों को एक साथ लाने के प्रयासों की सराहना की।

उन्होंने पांच प्रस्तावित आलयमों - ध्यान-आलयम (संगीत ध्यान), संगीत-आलयम (स्नायु विज्ञान संगीत चिकित्सा), शब्द-आलयम (ध्वनि चिकित्सा), कला-आलयम (भारतीय संगीत एवं नृत्य), और योग-आलयम (योग चिकित्सा) के बारे में जानकारी देते हुए, उपराष्ट्रपति ने विश्वास व्यक्त किया कि यह संस्थान कई आत्माओं को जागृत और स्वस्थ करेगा।

उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में योग के प्राचीन ज्ञान को अभूतपूर्व वैश्विक पहचान प्राप्त हुई है और यह भारत की सॉफ्ट पावर के प्रतीक के रूप में उभरा है, जो वसुधैव कुटुंबकम के दर्शन को प्रतिबिंबित करता है, यानी विश्व एक परिवार है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने संगीत परंपराओं के आदान-प्रदान के लिए जीवंत मंच तैयार किए हैं, जिससे विविधता में एकता मजबूत हुई है और भारत की सांस्कृतिक विरासत की वैश्विक सराहना हो रही है।

अपने संबोधन के समापन में उपराष्ट्रपति ने इस बात पर जोर दिया कि आज की तेज रफ्तार और अक्सर तनावपूर्ण दुनिया में संगीत की उपचार शक्ति पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक है। उन्होंने चेतना गणश्रम की अपार सफलता की कामना की और आशा व्यक्त की कि सा, रे, गा, मा, पा, धा, नी की शाश्वत तरंगें हृदयों को सुकून देती रहेंगी और मानवता को सद्भाव की ओर ले जाएंगी।

इस समारोह में केरल के राज्यपाल श्री राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर; केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस एवं पर्यटन राज्य मंत्री श्री सुरेश गोपी; केरल सरकार में उच्च शिक्षा एवं सामाजिक न्याय मंत्री डॉ. आर. बिंदू; त्रिशूर नगर निगम की महापौर डॉ. निजी जस्टिन; त्रिशूर के आर्कबिशप, मार एंड्रयूज थजाथ; प्रांतीय, सीएमआई देवमाता प्रांत, त्रिशूर की डॉ. जोस नन्दिक्कारा; और चेतना गणाश्रम के कार्यकारी निदेशक, डॉ. पॉल पूवथिंगल, अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

'मेरे खामेनेई को धोखे से मारा', ईरान के सुप्रीम लीडर की मौत पर लखनऊ में रो रहीं मुस्लिम महिलाएं

ईरान सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई का रविवार (1 मार्च) को इजराइल-अमेरिका द्वारा हमले में निधन हो गया. इस बीच उनके समर्थकों समेत मुस्लिम समुदाय में मातम पसरा हुआ है. अली खामेनेई की

मौत का विरोध अब भारत में भी होना शुरू हो गया है. लखनऊ में खामेनेई की मौत पर मुस्लिम महिलाएं फफक-फफक कर रो रहीं हैं.

अली खामेनेई की मौत के बाद यूपी की राजधानी लखनऊ में महिलाएं सड़कों पर आ गई हैं. इस बीच एक महिला का आरोप है कि 'मेरे खामेनेई को धोखे से मारा'. इस दौरान महिलाएं जमकर अमेरिका-इजराइल का विरोध कर रही हैं. सड़कों पर ईरान के सुप्रीम लीडर की मौत से कोहराम मचा हुआ है. इस बीच विरोध जता रही महिला का कहना है कि जिनकी नजरों में गद्दारी और धोखेबाजी है उन लोगों ने खामेनेई को धोखे से मारा है.

श्री ज्योतिरादित्य एम सिंधिया स्पेन के बार्सिलोना में मोबाइल वर्ल्ड कांग्रेस 2026 में भारतीय भागीदारी का नेतृत्व करेंगे

भारत पैवेलियन का उद्घाटन और इंडिया मोबाइल कांग्रेस 2026 की पूर्व-प्रस्तुति का अनावरण निर्धारित

संचार मंत्री मुख्य मंच के सत्र ह्यभविष्य के लिए निर्माणह्ल के दौरान जीएसएमए मंत्रिस्तरीय कार्यक्रम को संबोधित करेंगे, जीएसएमए मंत्रिस्तरीय मंच पर ह्यब्रेकिंग द कॉस्ट बैरियरह्ल विषय पर सत्र में मुख्य समापन भाषण देंगे

उच्चस्तरीय द्विपक्षीय बैठकों, वैश्विक मुख्य कार्यकारी अधिकारियों के साथ संवादों तथा रणनीतिक उद्योग कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे

प्रविष्टि तिथिः 01 टअफ 2026 12:35ढट_८ ढक्ह ऊँ

केंद्रीय संचार मंत्री श्री ज्योतिरादित्य एम सिंधिया स्पेन के बार्सिलोना में 2 से 5 मार्च तक होने वाले मोबाइल वर्ल्ड कांग्रेस (एमडब्ल्यूसी) 2026 में भारत की भागीदारी का नेतृत्व करेंगे। एमडब्ल्यूसी विश्व के सबसे बड़े और सर्वाधिक प्रभावशाली प्रौद्योगिकी और दूरसंचार सम्मेलनों में से एक है।

संचार मंत्री अपनी यात्रा के दौरान एमडब्ल्यूसी 2026 में भारत पैवेलियन का उद्घाटन भी करेंगे। यह पैवेलियन भारत की बढ़ती दूरसंचार निर्माण क्षमताओं और नवोन्मेष पारिस्थितिकी तंत्र को प्रदर्शित करने के लिए वैश्विक मंच मुहैया कराएगा। वह इंडिया मोबाइल कांग्रेस (आईएमसी) 2026 की पूर्व-प्रस्तुति का भी अनावरण करेंगे। इस पूर्व-प्रस्तुति में भारत के प्रमुख डिजिटल प्रौद्योगिकी मंच आईएमसी की विशेषताओं पर प्रकाश डाला जाएगा।

श्री सिंधिया मुख्य मंच के सत्र ह्यभविष्य के लिए निर्माणह्ल के दौरान जीएसएमए मंत्रिस्तरीय कार्यक्रम को संबोधित करेंगे। इस कार्यक्रम में वैश्विक नेता भविष्य के लिए तैयार डिजिटल अवसंरचना और उभरते प्रौद्योगिकी फ्रेमवर्क पर चर्चा करेंगे। श्री सिंधिया जीएसएमए मंत्रिस्तरीय मंच पर ह्यब्रेकिंग द कॉस्ट बैरियरह्ल विषय पर सत्र में मुख्य समापन भाषण देंगे। यह सत्र विश्व के लिए किफायती, समावेशी और मापनीय डिजिटल कनेक्टिविटी मॉडलों पर केंद्रित होगा।

संचार मंत्री भारत की मेजबानी में आयोजित सीईओ रात्रिभोज में वैश्विक मुख्य कार्यकारी अधिकारियों के साथ विचार विमर्श करेंगे जिनमें सहभागी नवोन्मेष और भरोसेमंद साझीदारियों के लिए भारत की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया जाएगा। वह प्रमुख वैश्विक और भारतीय कंपनियों के बूथों और प्रौद्योगिकी प्रदर्शनों में भी जाएंगे।

इसके अलावा श्री सिंधिया टी31600-डी3 हाइपर स्केलेबल डीसीआई प्लेटफॉर्म के उद्घाटन के लिए तेजस नेटवर्क के बूथ पर भी जाएंगे। यह भारत के उन्नत दूरसंचार उत्पाद विकास की राह में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि होगा।

श्री सिंधिया दूरसंचार क्षेत्र के विभिन्न हितधारकों के साथ उच्चस्तरीय द्विपक्षीय बैठकों में सार्वभौमिक सार्थक कनेक्टिविटी और अनुकूलनीय संचार अवसंरचना में सहयोग की संभावनाओं की तलाश करेंगे।

संचार मंत्री की एमडब्ल्यूसी 2026 में भागीदारी डिजिटल और मोबाइल पारिस्थितिकी तंत्र में वैश्विक नेता के तौर पर भारत के बढ़ते दर्जे को रेखांकित करती है। उनके इस दौरे का उद्देश्य सरकारों, औद्योगिक नेताओं और प्रौद्योगिकी नवोन्मेषकों के साथ रणनीतिक संवाद के जरिए अंतरराष्ट्रीय साझीदारियों को मजबूती देना, निवेश आकर्षित करना तथा विश्व भर में सुरक्षित, समावेशी और भविष्य के लिए तैयार डिजिटल नेटवर्क को आकार देने में भारत की भूमिका को सुदृढ़ बनाना है।

'जिलों का समग्र विकासः विकसित भारत के लिए शासन में बदलाव' विषय पर राष्ट्रीय शासन सम्मेलन 3 मार्च 2026 को जम्मू में आयोजित किया जाएगा

कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन राज्य मंत्री और जम्मू एवं कश्मीर के मुख्यमंत्री राष्ट्रीय शासन सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में संबोधित करेंगे

जिला कलेक्टर और राज्य/केंद्र सरकार के वरिष्ठ अधिकारी पुरस्कार विजेता सर्वोत्तम कार्यप्रणालियां प्रस्तुत करेंगे

इस शासन सम्मेलन का उद्देश्य ह्यलोक प्रशासन में उत्कृष्टता के लिए प्रधानमंत्री पुरस्कारह्ल जीतने वाली पहलों और देश भर से अन्य नवोन्मेषी शासन कार्यप्रणालियों का प्रसार करना है

(जीएनएस)।

प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग (डीएआरपीजी), जम्मू एवं कश्मीर सरकार के सहयोग से 3 मार्च, 2026 को जम्मू में ह्यह्यजिलों का समग्र विकासः विकसित भारत के लिए शासन में बदलावह्लह्ल विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय शासन सम्मेलन का आयोजन कर रहा है।

कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन राज्य मंत्री माननीय डॉ. जितेंद्र सिंह और जम्मू एवं कश्मीर के माननीय मुख्यमंत्री श्री उमर अब्दुल्ला संयुक्त रूप से राष्ट्रीय शासन सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे और उद्घाटन भाषण देंगे। इस सम्मेलन में लोक प्रशासन में उत्कृष्टता के लिए प्रधानमंत्री पुरस्कारों की विभिन्न श्रेणियों के अंतर्गत मान्यता प्राप्त शासन मॉडल प्रदर्शित

किए जाएंगे।

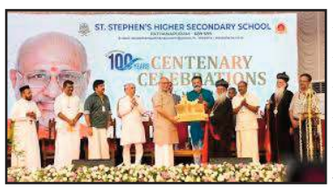

डीएआरपीजी की सचिव श्रीमती रचना शाह और जम्मू एवं कश्मीर सरकार के मुख्य सचिव श्री अटल दुल्लू भी उद्घाटन सत्र को संबोधित करेंगे। इससे विचारों और व्यवस्थाओं के सार्थक आदान-प्रदान के लिए एक उपयुक्त वातावरण तैयार होगा। इस कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानमंत्री पुरस्कार विजेता 2023 और 2024 की पहलों के प्रदर्शन सत्र से होगा। इसमें एलुरु (आंध्र प्रदेश), गोमती (त्रिपुरा), कोरापुट (ओडिशा) और कारगिल (लद्दाख केंद्र शासित प्रदेश) सहित जिलों और संस्थानों की प्रस्तुतियां शामिल होंगी। दूसरे तकनीकी सत्र में नलबाड़ी (असम), कुपवाड़ा (जम्मू एवं कश्मीर) और आंध्र प्रदेश के पार्वतीपुरम जिले की प्रिज्म 10 पहल सहित अन्य पुरस्कार विजेता पहल प्रस्तुत की जाएगी। इसमें आकांक्षी ब्लॉक, नवाचार परियोजनाएं और समग्र जिला विकास मॉडल शामिल हैं।

जम्मू एवं कश्मीर की सर्वोत्तम व्यवस्थाओं पर एक समर्पित सत्र में कुलगाम जिले के शासन संबंधी नवाचारों, श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड द्वारा आरएफआईडी-सक्षम यात्रा प्रबंधन और रामबन जिले की ई-सुविधा पहल का प्रदर्शन किया जाएगा। इस शासन सम्मेलन में भारत भर से 200 से अधिक प्रतिनिधियों के भाग लेने की उम्मीद है जिनमें वरिष्ठ प्रशासक, क्षेत्र विशेषज्ञ और लोक प्रशासन के क्षेत्र में कार्यरत लोग शामिल हैं। इस राष्ट्रीय शासन सम्मेलन का उद्देश्य देश भर के जिलों द्वारा अपनाई गई उन नवोन्मेषी शासन पद्धतियों को प्रदर्शित और प्रसारित करना है जिनसे सेवा वितरण, नागरिक कल्याण और स्थानीय विकास परिणामों में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। यह सम्मेलन जिला कलेक्टरों, वरिष्ठ अधिकारियों, नीति निमार्ताओं और विशेषज्ञों को अपने अनुभव साझा करने, विचारों का आदान-प्रदान करने और प्रमुख योजनाओं के व्यापक कार्यान्वयन, विभिन्न क्षेत्रों में एकीकृत विकास और प्रभावी शिकायत निवारण तंत्र के लिए रणनीतियों पर विचार-विमर्श करने हेतु एक मंच प्रदान करता है।

सम्पादकीय

ईरान पर हमले की स्थितियां भारत के लिए अग्निपरीक्षा का समय

विश्व युद्ध की दहलीज पर दुनिया, भारत के लिए अग्निपरीक्षा का समय यह कोई द्विपक्षीय झड़प नहीं होगी, यह पूरे पश्चिम एशिया को जलाने वाली आग होगी, जिसमें रूस, चीन, यूरोप और भारत को भी अपनी- अपनी सुरक्षा और तेल आपरूति बचाने के लिए वूदना पड़ेगा और तब आप देखेंगे कि इस युद्ध को विश्व युद्ध में बदलने में देर नहीं लगेगी। विश्व युद्ध की दहलीज पर दुनिया, भारत के लिए अग्निपरीक्षा का समय इतिहास के पन्नो गवाह हैं कि जब वूटनीति की मेज से आवाजें कम और आकाश में विमानों की गड़गड़ाहट ज्यादा होने लगे, तो समझ लेना चाहिए कि युद्ध निकट है। और इस बार तो समंदर में भी भीषण तूफान उठ रहा है। दुनिया फिर विश्व युद्ध के मुहाने पर खड़ी है। 27 फरवरी 2026 का दिन वैश्विक इतिहास में एक ऐसे मोड़ के रूप में दर्ज हो गया है, जहाँ से वापसी का रास्ता धुंधला पड़ता जा रहा है। जब युद्ध के बादल गहराते हैं, तो सबसे पहले दूतावास खाली होते हैं और आसमान में लड़ावू विमानों की कतारें दिखने लगती हैं। आज ठीक यही हो रहा है। अमेरिकी राजदूत माइक हकाबी ने तेल अवीव से जो एग्जिट ईमेल भेजा, वह केवल एक प्रशासनिक संदेश नहीं, बल्कि आने वाले महाविनाश का सायरन है। ईरान पर संभावित अमेरिकी हमले की आशंका ने बीजिग से लेकर वाशिगटन तक खलबली मचा दी है। उधर, दुनिया का सबसे बड़ा और आधुनिक युद्धपोत, यूएसएस गेराल्ड आर.फोर्ड, हैफा के तट पर लंगर डाल चुका है, जो इस बात का स्पष्ट संकेत है कि अब ठधमकीठ का समय समाप्त हो चुका है और ठकार्रवाईठ की घड़ी आ गई है। एक भी चूक हुई तो केवल अमेरिका और ईरान ही नहीं बल्कि विश्व के अनेक देशों के इस युद्ध में वूदने और परमाणु युद्ध तक पहुंचने का खतरा है। युद्धायास से युद्ध की दहलीज तक - बीते वुछ हफ्तों की समयरेखा को देखें तो स्पष्ट होता है कि स्थितियां हाथ से निकल चुकी हैं। विगत एक फरवरी 2026 को मास्को, बीजिग और तेहरान के बीच हुए एक त्रिपक्षीय सामरिक समझौते ने पश्चिम की नींद उड़ा दी है। यह केवल रक्षा समझौता नहीं था, बल्कि रूसी राष्ट्रपति के सलाहकार निकोलाई पेत्रुशेव द्वारा परिकल्पित उस बहुध्रुवीय विश्व की घोषणा थी, जो अमेरिकी वर्चस्व को सीधी चुनौती देने के लिए तैयार है। 43 पन्नों के इस समझौते के महज इतने ही बिदु सामने आये हैं, जिसमें युद्ध होने की स्थिति में एक दूसरे को आर्थिक और संयुत्त राष्ट्र में राजनयिक सहयोग और समर्थन देने की बात की गयी है। पर दुनिया जानती है कि कड़ी बातें कहना वैसे ही होता है कि गरजने वाले बादल बरसते नहीं और खामोशी की गहराईं समंदर से गहरी होती है। दुनिया की यह खामोशी ज्यादा खतरनाक है। इसके तुरंत बाद 16 फरवरी 2026 को होर्मुज जलडमरूमध्य, जो दुनिया की ऊर्जा लाइफलाइन है, वहां मैरीटाइम सिक्योरिटी बेल्ट- 2026 अयास शुरू हुआ। रूस और चीन के युद्धपोत ईरान के साथ मिलकर युद्धायास कर रहे हैं। यह महज कोई सैन्य अयास नहीं है, बल्कि उस भू-राजनीतिक विस्फोटक का अंतिम फ्यूज है, जिसे सुलगाने की तैयारी लंबे समय से चल रही थी। यह संदेश साफ है कि अगर फारस की खाड़ी में युद्ध हुआ, तो ईरान अकेला नहीं होगा। सवाल अब यह नहीं रह गया है कि धमाका होगा या नहीं, अब सवाल यह है कि इस महायुद्ध की पहली चिगारी कहाँ गिरेगी और क्या कोई ऐसी शत्ति शेष है जो दुनिया को तीसरे विश्व युद्ध की भट्ठी में झोंकने से बचा सके? 19 फरवरी 2026 को राष्ट्रपति ट्रंप का अल्टीमेटम आया कि ईरान के पास केवल 10 से 15 दिन हैं। उनकी भाषा स्पष्ट थी, ठया तो डील करो, या तबाही के लिए तैयार रहो।ठ ईरान समझौते के लिए तो तैयार है, पर अमेरिका जो शर्तें रख रहा है, वह मानने को तैयार नहीं। परमाणु गतिरोधः वियना वार्ता का डेड एंड और इसीलिए 26-27 फरवरी 2026 को जिनेवा में अंतिम दौर की वार्ता बेनतीजा रही। जिनेवा में चली पांच घंटे की मैराथन बैठक के बाद आधिकारिक तौर पर तो ओमान ने इसे प्रगति बताया, लेकिन पर्दे के पीछे की हकीकत यह है कि ईरान ने अपनी संप्रभुता और परमाणु अधिकारों के साथ समझौता करने से मना कर दिया है।

महानियंत्रक संचार लेखा श्रीमती वंदना गुप्ता ने उत्तर क्षेत्रीय समीक्षा बैठक का उद्घाटन किया

उत्तरी क्षेत्र लगभग 850 से अधिक लाइसेंसधारियों और 1.10 लाख पेंशनभोगियों का प्रबंधन करता है, जिसका दूरसंचार राजस्व संग्रह ₹7,250 करोड़ से अधिक है

जीवन यापन और व्यापार करने में सुगमता को बढ़ावा देने के लिए रणनीतिक पहलों पर चर्चा की गई और लक्ष्य निर्धारित किए गए

(जीएनएस)।

महानियंत्रक संचार लेखा (सीजीसीए), श्रीमती वंदना गुप्ता ने उत्तरी क्षेत्र में फील्ड इकाइयों की परिचालन दक्षता का मूल्यांकन और उसे सुव्यवस्थित करने के लिए उत्तरी क्षेत्रीय समीक्षा बैठक का आधिकारिक तौर पर उद्घाटन किया।

28 फरवरी 2026 से 01 मार्च 2026 तक आयोजित इस समीक्षा बैठक में संचार लेखा नियंत्रक (सीसीए) के आठ कार्यालय शामिल थे--- जम्मू एवं कश्मीर, हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश (पूर्व), उत्तर प्रदेश (पश्चिम) तथा दिल्ली।

उत्तरी क्षेत्र का रणनीतिक महत्व

उत्तरी क्षेत्र, सीजीसीए के अंतर्गत आने वाले सबसे महत्वपूर्ण प्रशासनिक क्षेत्रों में से एक है। वर्तमान में यह 850 से अधिक लाइसेंसधारियों के विशाल पोर्टफोलियो का प्रबंधन करता है, जो देश के दूरसंचार पारिस्थितिकी तंत्र में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका को दशार्ता है। चालू वित्तीय वर्ष में अब तक, इस क्षेत्र ने लाइसेंस शुल्क के रूप में ₹6,500 करोड़ से अधिक और स्पेक्ट्रम उपयोग शुल्क (एसयूसी) के रूप में लगभग ₹750 करोड़ एकत्र किए हैं। इसके अलावा, यह क्षेत्र दूरसंचार विभाग (डीओटी), बीएसएनएल और एमटीएनएल के 1.10 लाख से अधिक पेंशनभोगियों के कल्याण का प्रबंधन करके एक महत्वपूर्ण दायित्व भी निभाता है।

परिचालन उत्कृष्टता और रणनीतिक लक्ष्य

कार्यवाही के दौरान, श्रीमती वंदना गुप्ता ने कार्यात्मक गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा की, जिसमें सार्वजनिक सेवा वितरण और प्रशासनिक दक्षता में उच्च मानकों को प्राप्त करने के लिए विभाग की अटूट प्रतिबद्धता पर जोर दिया गया। सत्रों में सीजीसीए के जनादेश के कई मुख्य स्तंभों पर ध्यान

केंद्रित किया गयाः

पेंशन संबंधी लाभः पेंशनभोगियों को उनके सभी लाभ समय पर प्राप्त हों, यह सुनिश्चित करने के लिए वितरण प्रक्रिया और शिकायत निवारण तंत्र को सुव्यवस्थित करना।

राजस्व एवं बजटः इस मंच पर वित्तीय प्रवाह की सटीक निगरानी के लिए तंत्रों पर चर्चा की गई ताकि सख्त राजकोषीय अनुपालन सुनिश्चित किया जा सके। इन चचाओं का मुख्य बिंदु इंटरनेट सेवा प्रदाताओं (आईएसपी) को सक्रिय रूप से मार्गदर्शन प्रदान करने की रणनीति थी। स्पष्ट मार्गदर्शन प्रदान करके और प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करके, विभाग का उद्देश्य लाइसेंसधारियों के लिए समय पर अनुपालन को सुगम बनाना और परिचालन संबंधी बाधाओं को दूर करना है, जिससे एक मजबूत व्यावसायिक वातावरण को बढ़ावा मिल सके।

आंतरिक लेखापरीक्षाः संस्थागत अखंडता के उच्चतम मानकों को बनाए रखने के लिए निगरानी को मजबूत करना।

अनुभव साझा करने के लिए आयोजित एक विशेष सत्र में क्षेत्रीय इकाइयों के प्रमुखों (सीसीए) को सफल संस्थागत मॉडल प्रस्तुत करने का अवसर मिला। इस आपसी आदान-प्रदान का उद्देश्य सभी क्षेत्रों में उच्च गुणवत्ता वाली सेवा प्रदान करने के मानकीकरण हेतु सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करना था।

श्री संजीव सिन्हा द्वारा डिजिटल भारत निधि और संशोधित भारत नेट कार्यक्रम पर दी गई प्रस्तुति एक महत्वपूर्ण आकर्षण रही। चर्चा में सरकार के इस इरादे पर जोर दिया गया कि वह "आखिरी गांव" और "आखिरी नागरिक" तक तेज, भरोसेमंद फाइबर कनेक्टिविटी पहुंचाकर डिजिटल डिवाइड को कम करेगी, जिससे नेशनल डिजिटल हाईवे पर पूरी तरह शामिल होना पक्का होगा।

बैठक का समापन स्थानीय प्रशासनिक बाधाओं को दूर करने के उद्देश्य से आयोजित सामूहिक विचार-विमर्श सत्र के साथ हुआ। क्षेत्रीय इकाइयों के प्रमुखों को प्रत्यक्ष मार्गदर्शन प्रदान करते हुए, सीजीसीए ने इस बात पर बल दिया कि प्रभावी शासन विभागीय संचालन का आधार बना रहना चाहिए। श्रीमती वंदना गुप्ता ने इस बात की पुष्टि की कि पेंशनभोगियों के लिए "जीवन की सुगमता" और दूरसंचार हितधारकों के लिए "व्यापार करने की सुगमता" सुनिश्चित करना अत्यंत महत्वपूर्ण है, और उन्होंने कार्यालयों को आगामी महीनों में पारदर्शिता और दक्षता के साथ अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने का स्पष्ट निर्देश दिया।

देश भर में व्याख्यानों, प्रदर्शनों और जन जागरूकता कार्यक्रमों के साथ राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2026 मनाया

नई दिल्ली (जीएनएस)। वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) और उसकी प्रयोगशालाओं ने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2026 को राष्ट्रव्यापी स्तर पर व्याख्यानों, छात्र भ्रमण, प्रदर्शनों और जन जागरूकता कार्यक्रमों सहित कई आकर्षक गतिविधियों के माध्यम से मनाया, जिनका उद्देश्य युवा मन और आम जनता के बीच वैज्ञानिक जागरूकता और जिज्ञासा को बढ़ावा देना था।

इस वर्ष का राष्ट्रीय विज्ञान दिवस "विज्ञान में महिलाएंः विकसित भारत को उत्प्रेरित करना" विषय के तहत मनाया गया, जिसमें वैज्ञानिक नवाचार को आगे बढ़ाने और एक विकसित और आत्मनिर्भर भारत को आकार देने में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला गया।

राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित समारोहों के एक भाग के रूप में, सीएसआईआर-इंस्टीट्यूट ऑफ जीनोमिक्स एंड इंटीग्रेटिव बायोलॉजी (सीएसआईआर-आईजीआईबी) और विज्ञान संचार और प्रसार निदेशालय (एससीडीडी), सीएसआईआर मुख्यालय ने नोबेल पुरस्कार विजेता सर सी.वी. रमन के जीवन और विरासत तथा उनके द्वारा की गई रमन प्रभाव की अभूतपूर्व खोज को स्मरण करने के लिए एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया।

डॉ. सीवी रमन मार्ग पर सर सीवी रमन के जीवन, वैज्ञानिक यात्रा और अग्रणी योगदान को प्रदर्शित करने वाली एक प्रदर्शनी लगाई गई, जिसने आम जनता को आकर्षित किया और भारत की समृद्ध वैज्ञानिक विरासत के बारे में जागरूकता पैदा की।

इस समारोह में एक सशक्त अनुभवात्मक आयाम जोड़ते हुए, सीएसआईआर-राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला (सीएसआईआर-एनपीएल) के वैज्ञानिकों, डॉ. सुबाशिस पांजा, डॉ. शिबू साहा और डॉ. विद्यानंद सिंह, तथा भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली

(आईआईटी दिल्ली) के डॉ. सौमिक सिद्धांत और श्री हिमांशु यादव (पीएच.डी. छात्र) ने रमन प्रभाव का प्रत्यक्ष प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन ने प्रतिभागियों को उस घटना को प्रत्यक्ष रूप से देखने का अवसर प्रदान किया जिसने आधुनिक स्पेक्ट्रोस्कोपी में क्रांति ला दी और जो विज्ञान और प्रौद्योगिकी में प्रगति का आधार बनी हुई है।

एक व्यक्ति माइक्रोफोन में बोल रहा है और उसके आसपास लोगों का एक समूह है। एआई द्वारा उत्पन्न सामग्री गलत हो सकती है।

इसके बाद सीएसआईआर-एनपीएल और आईआईटी दिल्ली के वैज्ञानिकों द्वारा संयुक्त रूप से एक रोचक व्याख्यान सत्र आयोजित किया गया, जिसमें रमन प्रभाव, इसका वैज्ञानिक महत्व और पदार्थ विज्ञान, रसायन विज्ञान, चिकित्सा और उद्योग जैसे क्षेत्रों में इसके व्यापक अनुप्रयोगों के बारे में बताया गया। इस सत्र में जामिया हमदर्द के उत्साही स्कूली छात्रों और स्नातक छात्रों ने भाग लिया, जिन्होंने विशेषज्ञों के साथ सक्रिय रूप से बातचीत की।

इसके अतिरिक्त, भाग लेने वाले छात्रों को सीएसआईआर-आईजीआईबी की विभिन्न प्रयोगशालाओं का निर्देशित दौरा कराया गया, जहां उन्हें चल रही अनुसंधान गतिविधियों और अत्याधुनिक सुविधाओं से परिचित कराया गया, जिससे समकालीन वैज्ञानिक अनुसंधान के प्रति उनका ज्ञान और भी समृद्ध हुआ।

इस अवसर को चिह्नित करने के लिए एक विशेष जनसंपर्क पहल के तहत, विज्ञान संचार एवं प्रसार निदेशालय, सीएसआईआर मुख्यालय ने संस्कृति मंत्रालय के सहयोग से, शाम को प्रतिष्ठित कुतुब मीनार को रोशन किया। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के बारे में जागरूकता फैलाने और समाज में विज्ञान की परिवर्तनकारी भूमिका का जश्न मनाने के लिए स्मारक को विशेष रूप से रोशन किया गया था।

रात में जगमगाता एक ऊंचा टावर। एआई-जनरेटेड कंटेंट गलत हो सकता है।

इन राष्ट्रव्यापी गतिविधियों के माध्यम से, सीएसआईआर ने वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देने, युवा शिक्षार्थियों को प्रेरित करने और विज्ञान को सार्थक और आकर्षक तरीकों से समाज के करीब लाने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की, जो विज्ञान-आधारित विकसित भारत की राष्ट्रीय परिकल्पना के अनुरूप है।

'विज्ञान संचार के रचनात्मक तरीको ' पर कार्यशाला का आयोजन

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह 2026 के हिस्से के रूप में विज्ञान भवन नई दिल्ली में "विज्ञान संचार के रचनात्मक तरीको" पर एक क्षमता निर्माण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का आयोजन सीएसआईआर-राष्ट्रीय विज्ञान संचार और नीति अनुसंधान संस्थान और भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी ने संयुक्त रूप से किया था।

कार्यशाला का उद्घाटन आईएनएसए के अध्यक्ष प्रो. शेखर सी. मांडे ने किया। उन्होंने अनुसंधान और समाज के बीच की खाई को पाटने और समावेशी वैज्ञानिक विकास को बढ़ावा देने के लिए विज्ञान संचार को मजबूत करने के महत्व पर बल दिया।

सीएसआईआर-एनआईएस सीपीआर की निदेशक डॉ. गीता वाणी रायसम ने अपने स्वागत भाषण में विज्ञान संचार और नीति अनुसंधान में संस्थान की भूमिका का उल्लेख करते

हुए वैज्ञानिक ज्ञान को अधिक सुलभ और प्रभावशाली बनाने के लिए रचनात्मक और बहुभाषी दृष्टिकोण की आवश्यकता को रेखांकित किया।

तकनीकी सत्रों में प्रख्यात वक्ताओं ने विज्ञान संचार के विभिन्न आयामों पर विचार-विमर्श किया। हैदराबाद विश्वविद्यालय की प्रो. शर्मिष्ठा बनर्जी ने विज्ञान संचार अंतर को दूर करने के लिए कहानी कहने और दर्शक-केंद्रित संचार के महत्व पर बल दिया। गुब्बी लैब्स की डॉ. एच. एस. सुधीरा ने लोकप्रिय विज्ञान लेखन और जटिल वैज्ञानिक अवधारणाओं को सरल बनाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टूल के उपयोग पर बात की।

सीएसआईआर-एनआईएस सीपीआर के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. मनीष मोहन गोरे ने लोकप्रिय विज्ञान पत्रिकाओं, पुस्तकों, शोध पत्रिकाओं और क्षेत्रीय आउटरीच पहलों के माध्यम से सीएसआईआर-एनआईएससीपीआर के योगदान का उल्लेख करते हुए विज्ञान संचार की प्रक्रिया और मीडिया प्रारूपों के बारे में विस्तार से बताया। सीएसआईआर-एनआईएससीपीआर के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. परमानंद बर्मन ने विज्ञान के साथ सार्वजनिक जुड़ाव बढ़ाने में सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म की भूमिका पर चर्चा की। सीएसआईआर-एनआईएससीपीआर के डॉ. मेहर वान ने विज्ञान संचार में क्या करें और क्या न करें पर एक व्याख्यान दिया, जो व्यावहारिक अंतर्दृष्टि प्रदान करता है और प्रतिभागियों को चिंतनशील सीखने में शामिल करता है।

प्रतिभागियों के दृष्टिकोण और अपेक्षाओं का आकलन करने के लिए एक कार्यशाला पूर्व सर्वेक्षण और इंटरैक्टिव सत्र भी आयोजित किया गया। दिल्ली विश्वविद्यालय और भारतीय जनसंचार संस्थान (आईआईएमसी) के विभिन्न कॉलेजों के लगभग 150 छात्र कार्यशाला में शामिल हुए। यह विज्ञान संचार कौशल को मजबूत करने में मजबूत शैक्षणिक जुड़ाव और रुचि को दर्शार्ता है। कार्यशाला का उद्देश्य प्रतिभागियों को समकालीन उपकरणों, डिजिटल रणनीतियों और व्यावहारिक अंतर्दृष्टि से लैस करना है ताकि विविध दर्शकों के बीच विज्ञान को प्रभावी ढंग से संवाद किया जा सके। इससे विकसित भारत 2047 के दृष्टिकोण के अनुरूप भारत के विज्ञान संचार इकोसिस्टम को मजबूत किया जा सके।

खामनेई की मौत के बाद पाकिस्तान पीएम शरीफ की हवा टाइट, बयान जारी कर दिया ये डर सताने का संकेत!

(जीएनएस)। ईरान पर अमेरिका-इजरायल के हमलों में सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की शहादत के बाद पाकिस्तान ने पहली बार खुलकर अपना रुख साफ किया है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने रविवार (1 मार्च 2026) को (पूर्व ट्विटर) पर पोस्ट कर ईरान के साथ पूरी एकजुटता जताई और अमेरिका-इजरायल पर अंतरराष्ट्रीय कानून तोड़ने का आरोप लगाया।

लेकिन सवाल ये है - इतना सख्त बयान क्यों? क्या पाकिस्तान को अपने लीडरशिप पर हमले का डर सता रहा है? या फिर घरेलू दबाव और रणनीतिक मजबूरी? आइए पूरी कहानी समझते हैं - बयान क्या था, क्यों दिया गया और इसका मतलब क्या है....

'पाकिस्तान की सरकार और लोग दुख की इस घड़ी में ईरान के लोगों के साथ हैं और हिज एमिनेंस अयातुल्ला सैय्यद अली खामेनेई की शहादत पर अपनी गहरी संवेदनाएं जताते हैं। पाकिस्तान इंटरनेशनल कानून के नियमों के उल्लंघन पर भी चिंता जताता है। यह एक पुरानी परंपरा है कि देश/सरकार के प्रमुखों को निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए। हम दिवंगत आत्मा के लिए प्रार्थना करते हैं। अल्लाह तआला ईरानी लोगों को इस कभी न भरने वाले नुकसान को सहने की सब्र और ताकत दे।'

यह बयान ठीक उसी दिन आया जब ईरान ने जवाबी हमले तेज किए (आईआरजीसी का दावा - यूएसएस अब्राहम लिंकन पर 4 बैलिस्टिक मिसाइलें) और पाकिस्तान में शिया प्रदर्शनकारियों ने कराची में अमेरिकी वाणिज्य दूतावास पर हमला बोल दिया, घटना में 8 से ज्यादा मारे गए।

क्यों इतना सख्त रुख? तीन बड़े कारण

1. घरेलू दबाव और शिया वोट बैंक :

पाकिस्तान में शिया आबादी करीब 15-20% है। खामेनेई की मौत पर कराची, लाहौर और इस्लामाबाद में प्रदर्शन भड़क गए। दूतावास पर हमला, टायर जलाए, 'अमेरिका-इजरायल मुदार्बाद' के नारे। अगर सरकार चुप रहती तो अंदरूनी अस्थिरता बढ़ जाती। ढट शरीफ ने शिया भावनाओं को शांत करने के लिए यह बयान दिया।

2. ईरान के साथ गहरे रिश्ते - रणनीतिक मजबूरी :

पिछले 2 साल में पाकिस्तान-ईरान रिश्ते अपने चरम पर हैं - 25 से ज्यादा हाई-लेवल डेलिगेशन, 25 टङ्कव, गैस पाइपलाइन पर चर्चा तेज। दोनों देशों में सीमा सुरक्षा, तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के खिलाफ सहयोग और ढढएउ का ईरान एक्सटेंशन। ईरान पाकिस्तान का महत्वपूर्ण पड़ोसी है। खामेनेई की हत्या को 'इस्लामी दुनिया पर हमला' मानकर पाकिस्तान चुप नहीं रह सकता था।

3. 'आज खामेनेई, कल कोई और?' - लीडरशिप सिक्योरिटी का डर

ढट शरीफ ने साफ कहा - 'सरों को निशाना बनाना पुरानी परंपरा का उल्लंघन है'। पाकिस्तान को डर है कि अगर अमेरिका-इजरायल लीडर्स को मारने की नई मिसाल कायम कर दें तो कल भारत या कोई और पाकिस्तानी लीडरशिप को टारगेट कर सकता है। खासकर जब पाकिस्तान-अफगानिस्तान में 'खुला युद्ध' चल रहा है, टीटीपी हमले बढ़ रहे हैं और अर्थव्यवस्था पहले से ही खस्ताहाल ईरान से दोस्तीः हाल के सालों में रिश्ते सबसे अच्छे दौर में। 2025-26 में ईरानी राष्ट्रपति के दो दौरे, विदेश मंत्री स्तर पर लगातार बातचीत। पाकिस्तान ने ईरान-वर न्यूक्लियर टॉक्स का समर्थन

इस्त्राइल में यूपी के 6 हजार से अधि श्रमिक पूरी तरह सुरक्षित; सतर्क मोड में योगी सरकार, हेल्पलाइन नंबर जारी

इस्त्राइल में काम करने वाले छह हजार से अधिक श्रमिकों के पूरी तरह सुरक्षित होने की बात कही गई है। ईरान के इस्त्राइल पर हमले के बाद लोगों की चिंता बढ़ी है।

इस्त्राइल में रह रहे यूपी के श्रमिकों के सुरक्षित होने की कही गई है बात

लखनऊः (जीएनएस)। मध्य एशिया में हालात तनावपूर्ण बने हुए हैं। ईरान पर अमेरिका एवं इस्त्राइल के हमले और सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई की मौत के बाद स्थिति बदली है। ईरान ने इस्त्राइल पर पलटवार किया है। तनावपूर्ण हालात बने हुए हैं। इस बीच इस्त्राइल में कार्यरत उत्तर प्रदेश के 6004 निर्माण श्रमिकों की सुरक्षा को लेकर योगी सरकार पूरी तरह सतर्क है। राज्य सरकार ने स्पष्ट किया है कि सभी

श्रमिक सुरक्षित हैं और उनके कुशलक्षेम पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। ये सभी श्रमिक वर्ष 2024 में राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (NSDC) और इस्त्राइल की सरकारी संस्था पॉपुलेशन, इमिग्रेशन एंड बॉर्डर अथॉरिटी (PIBA) के माध्यम से चयनित हुए थे। ये लोग इस्त्राइल की विभिन्न निर्माण परियोजनाओं में कार्यरत हैं।

दूतावास से सीधा संपर्क

तेल अवीव स्थित भारतीय दूतावास की ओर से जारी सिक्यूरिटी एडवाइजरी के अनुसार सभी भारतीय नागरिकों को सतर्क रहने, स्थानीय प्रशासन के निदेशों का पालन करने और अनावश्यक आवाजाही से बचने की सलाह दी गई है। प्रमुख सचिव, श्रम एवं सेवायोजन डॉ. एमके शन्मुगा सुंदरम ने इस्त्राइल में भारत के राजदूत जेपी सिंह से फोन पर वार्ता की। राजदूत ने अवगत कराया कि स्थिति नियंत्रण में है। दूतावास सभी भारतीय श्रमिकों के संपर्क में है।

प्रथम सचिव डॉ. गारिका तेजेश्वर ने भी आश्वस्त किया कि अधिकांश भवनों में सुरक्षा शेल्टर उपलब्ध हैं। श्रमिकों को सुरक्षित स्थानों पर रहने के निर्देश दिए गए हैं।

सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता

श्रम, सेवायोजन मंत्री अनिल राजभर ने श्रमिकों और उनके परिजनों को आश्वस्त करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार सभी श्रमिकों की सुरक्षा के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। श्रम विभाग राष्ट्रीय कौशल विकास निगम और भारतीय दूतावास के साथ निरंतर संपर्क में है। किसी भी परिस्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। निदेशक, सेवायोजन नेहा प्रकाश और अपर निदेशक पीके पुंडीर ने भी एनएसडीसी अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर श्रमिकों की सुरक्षा व्यवस्था की निरंतर समीक्षा के निर्देश

'47 साल का इंतजार', कौन है वो बॉलीवुड एक्ट्रेस? जिसने ईरान के सुप्रीम खामेनेई की मौत पर जताई खुशी

(जीएनएस)।

मिडिल-ईस्ट में जंग के चलते हालात बेहद तनावपूर्ण बने हुए हैं। अमेरिका और इजरायल ने ईरान की राजधानी तेहरान समेत कई शहरों पर हमला किया। इसके जवाब में ईरान ने भी अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाया। दोनों तरफ से लगातार हमले जारी हैं। इसकी वजह से लोगों में जान का खतरा बना हुआ है।

इजरायल की तरफ से जारी इस हमले में ईरान के सुप्रीम लीडर अ' डौल्ली की मौत हो गई है। इसकी पुष्टि भी हो चुकी है। उनके निधन के बाद देश में राजकीय शोक घोषित कर दिया गया है। यह खबर सामने आते ही सोशल मीडिया पर अलग-अलग तरह की प्रतिक्रियाएं देखने को मिलीं। बॉलीवुड एक्ट्रेस ने भी खामनेई की मौत पर रिएक्ट किया है।

एलनाज नोरौजी का बयान

खामेनेई की मौत के बाद ए'ल्लं९ ठङ्क१ङ्क४९ ने भी सोशल मीडिया पर रिएक्ट किया है। उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरी पर खामेनेई की मौत को "सबसे बड़ी खबर" बताया। इसके अलावा उन्होंने लिखा, ये खबर हमारे लिए बहुत अविश्वसनीय है। पिछले 47 साल से जिस खबर का इंतजार कर रहे थे, आखिरकार वो आ गई। खामेनेई मर गया है। भगवान महान है। साथ ही एलनाज ने थैंक्यू और वाली स्टोरी भी लगाई है।

कौन हैं एलनाज?

एलनाज एक ईरानी-जर्मन मूल की एक्ट्रेस हैं। जिन्होंने मॉडिलिंग से अपने करियर की शुरूआत की। बाद में पाकिस्तानी फिल्म मान जाओ ना से एक्टिंग डेब्यू किया। इसके बाद उन्होंने बॉलीवुड की तरफ रुख किया। यहां उन्हें नेटफ्लिक्स की 'सेक्रेड गेम्स' में जोया मिर्जा के किरदार से पहचान मिली। उनकी फिल्मोंग्राफी में 'हलो चार्ली''जुगजुग जीयो' और 'राष्ट्र कवच ओम' जैसी हिंदी फिल्में शामिल हैं। वहीं, ओटीटी पर 'अभय' और 'मेड इन हेवन' (सीजन 2) में काम किया है।

महिलाओं के अधिकारों की आवाज

एलनाज पहले भी ईरान में महिलाओं के अधिकार और आजादी के मुद्दों पर खुलकर बोलती रही हैं। हिजाब जैसे नियमों के खिलाफ हुए प्रदर्शनों में भी उन्होंने समर्थन जताया था।फिलहाल, युद्ध की स्थिति गंभीर बनी हुई है और पूरी दुनिया की नजरें इस क्षेत्र पर टिकी हैं।

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR
Rage.Office: TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005 Gujarat,India. Phone : (O) 9016333307(M)9328333307,9825333307
Email : garvigujarat2007@gmail.com*garvigujarat2007@yahoo.com*Website : www.garvigujarat.co.in

लखनऊ में प्रबुद्ध समागम में यूजीसी पर न बोलने पर राज्य सभा सदस्य डॉ. दिनेश शर्मा का भारी विरोध

(जीएनएस)।

लखनऊ। इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा की ओर से राजधानी में शनिवार को आयोजित प्रबुद्ध समागम में राज्यसभा सदस्य डॉ. दिनेश शर्मा को यूजीसी पर न बोलने के कारण काफी विरोध झेलना पड़ा।

प्रबुद्ध समागम में ऐसा लगा कि ब्राह्मण के सम्मान में भाजपा, कांग्रेस व सपा एक साथ मैदान में उतरे हैं। समागम में यूजीसी और स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद का विषय चर्चा में प्रमुखता से उभरा। उनके समर्थन में नारेबाजी भी हुई।

प्रबुद्ध समागम में यूजीसी कानून पर कुछ भी न बोलने को लेकर लोगों ने राज्य सभा सदस्य और पूर्व उप मुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा का भारी विरोध किया। हाल में काफी देर तक नारेबाजी की वजह से उन्हें संबोधन छोड़कर वापस बैठना पड़ा। भाजपा से

राज्यसभा सदस्य दिनेश शर्मा को यूजीसी पर बोलने के लिए कहा गया तो उनके आनाकानी करने पर प्रबुद्ध लोग उनके विरुद्ध नारे लगाने लगे। इसके बाद डॉ. दिनेश शर्मा वापस अपने स्थान पर लौट कर बैठ गए।

पूर्व राज्यपाल कलराज मिश्रा ने कहा कि हमने खुलकर यूजीसी का विरोध किया। यह तो अलगाववाद को बढ़ावा देने वाला प्राविधान है। कलराज ने कहा कि शब्दों और चिंतन की मयार्दा रखते हुए समाज को एकता के भाव में रहना है।

संविधान को गीता की तरह पवित्र ग्रंथ और नियमों को मंत्र के समान पूज्य बताया। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने समागम में मौजूद लोगों से कहा हम आपका भाव समझते हैं। बहुत जल्द आपकी अपेक्षाएं पूरी होंगी। वह भी यूजीसी पर बोलने से बचे।

समागम में मौजूद कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडे और उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय ने प्रयागराज में बटुकों के साथ मारपीट और स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को लेकर भाजपा पर निशाना साधा। कार्यक्रम में बरेली के सिटी मजिस्ट्रेट पद से इस्तीफा देने वाले पूर्व पीसीएस अधिकारी अलंकार अग्निहोत्री को सम्मानित किया गया।

अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा की ओर से राजधानी में शनिवार को आयोजित प्रबुद्ध समागम में ब्राह्मणों में एकजुटता पहली बार दिखी। इसमें भाजपा के साथ ही कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के नेता भी जुटे। इसमें सत्ताधारी दल के साथ ही मुख्य विपक्षी दल और कांग्रेस के बड़े नेता भी थे। तीन प्रमुख राजनीतिक दल के बड़े नेता एक मंच पर, एक मुद्दे को लेकर एक साथ बैठे। कार्यक्रम का नाम प्रबुद्ध समागम 2026 भले ही है, लेकिन मुद्दा ब्राह्मण ही हैं।

ईरानी लीडर की मौत पर लखनऊ में शिया महिलाओं का मातम

लगाये खामेनेई जिंदाबाद और अमेरिका-इजराइल मुदार्बाद के नारे

शिया पर्सनल लॉ बोर्ड की तरफ से तीन दिवसीय शोक की घोषणा

लखनऊ। विश्व पटल पर चल रहे अमेरिका-इजराइल के हमले में ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के बाद इधर भारत के सबसे वृहद आबादी वाले उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए हैं। इस बीच पुलिस ने पूरे यूपी में हाई अलर्ट जारी किया है। सीएम योगी ने भी रविवार सुबह मीटिंग में अफसरों से एहतियात बरतने को कहा।

डीजीपी राजीव कृष्ण ने पुलिस को लगातार निगरानी रखने के निर्देश दिए

हैं। लखनऊ में शिया समुदाय के हजारों लोग सड़क पर उतर आए हैं। महिलाएं और पुरुष रो रहे हैं, मातम कर रहे हैं। प्रदर्शकारी ने खामेनेई जिंदाबाद और अमेरिका-इजराइल मुदार्बाद के नारे लगा रहे हैं। यहां भारी पुलिस फोर्स तैनात किया गया है।

पीएचसी में तैनात नर्स से शादी व धर्म परिवर्तन का दबाव, फोटो मॉर्फ कर ब्लैकमेल करने वाला युवक गिरफ्तार ये खबर भी पढ़े : पीएचसी में तैनात नर्स से शादी व धर्म परिवर्तन का दबाव, फोटो मॉर्फ कर ब्लैकमेल करने वाला युवक गिरफ्तार

एक महिला ने चिल्लाते हुए कहा-जिनकी नस्लों में धोखा और गद्दारी है। उन्होंने खामेनेई को धोखे में मारा। खामेनेई मेरा शेर था, कयामत तक रहेगा। एक मरेगा, हजार खामेनेई आएंगे। लानत है अमेरिका और इजराइल पर। इनकी नस्लें गद्दार-धोखेबाज हैं। ऑल इंडिया शिया पर्सनल लॉ बोर्ड की तरफ से तीन दिवसीय शोक की घोषणा कर दी गई है।

ऑनलाइन बेटिंग के नाम पर करोड़ों की ठगी! रळक्ष ने 6 साइबर ठग दबोचे ये खबर भी पढ़े : ऑनलाइन बेटिंग के नाम पर करोड़ों की ठगी! रळक्ष ने 6 साइबर ठग दबोचे

बोर्ड के महासचिव मौलाना यासूब अब्बास ने कहा- लोग अपने घरों पर काले झंडे लगाएंगे और काले कपड़े पहनेंगे। अयातुल्ला खामेनेई के नाम पर रोजाना मजलिस (शोकसभा) का आयोजन किया जाएगा। लखनऊ से आज सऊदी अरब जाने वाली सभी फ्लाइटें रद्द कर दी गई हैं।

कानपुर-लखनऊ रेल रूट पर 42 ट्रेनें रद्द, 31 के रूट-बदलेंगे:2 अप्रैल से 13 मई तक होगी गंगा पुल की मरम्मत, 8 घंटे चलेगा काम

कानपुर (जीएनएस)।

कानपुर से लखनऊ के बीच सफर करने वाले यात्रियों को 2 अप्रैल से 42 दिनों तक भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा। गंगा नदी पर बने 118 साल पुराने रेलवे पुल की मरम्मत के लिए रेलवे ने 2 अप्रैल से 13 मई तक मेगा ब्लॉक घोषित किया है।

इस दौरान 42 ट्रेनें पूरी तरह रद्द रहेंगी, 31 ट्रेनों का मार्ग बदला जाएगा और 14 ट्रेनें केवल कानपुर तक ही संचालित होंगी।

रोज सुबह 9 से शाम 5 बजे तक रहेगा ब्लॉक

रेलवे के मुताबिक शुक्लागंज स्थित गंगा रेल पुल के डाउन ट्रैक (कानपुर से लखनऊ दिशा) पर मरम्मत कार्य किया जाएगा। कमजोर हो चुके स्लीपरों को हटाकर उनकी जगह स्टील के एच-बीम (स्टील के स्लीपर) लगाए जाएंगे। इसके लिए रोजाना सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे

तक आठ घंटे का मेगा ब्लॉक लिया जाएगा। मेगा ब्लॉक 2 अप्रैल सुबह 9 बजे से प्रभावी होगा।

1908 में बना था गंगा रेल पुल

कानपुर मुरे कंपनी पुल से कानपुर बायां किनारा स्टेशन के बीच बना यह रेलवे पुल वर्ष 1908 में तैयार हुआ था। 118 साल पुराने इस पुल का समय-समय पर सुधार का काम होता रहा है। पिछले साल अप लाइन (लखनऊ से कानपुर) पर भी इसी तरह मेगा ब्लॉक लेकर मरम्मत कराई गई थी। अब डाउन लाइन को दुरुस्त किया जाएगा।

3 हजार यात्रियों पर पड़ेगा असर

ट्रेनों के निरस्त और रूट डायवर्जन से रोजाना करीब 3 हजार यात्रियों को परेशानी झेलनी पड़ेगी। इंटरसिटी, झांसी पैसेंजर और कानपुर-लखनऊ मेमू के प्रभावित होने से रोज लखनऊ आने-जाने वाले यात्रियों को बस और अन्य साधनों का सहारा लेना पड़ेगा।

लखनऊ में कलर फॉग-सतरंगी पटाखे की बढ़ी मांग:हर्बल भगवा रंग बड़ों की पसंद, डॉक्टर बोले- केमिकल वाले रंगों से बचें

(जीएनएस)।

लखनऊ में होली जैसे-जैसे नजदीक आ रही है, बाजार में रौनक भी बढ़ती जा रही है। इस बार बच्चों की पहली पसंद ह्यकलर फॉगह्न, ह्यहोली पॉप-अपह्न और सात रंग छोड़ने वाले पटाखे हैं। जिसे खरीद कर बच्चे खुद को सुपरमैन से कम नहीं समझ रहे। बड़ों में भगवा रंग का क्रेज है। सबसे अधिक अरारोट से बने रंग पसंद किए जा रहे हैं।

दुकानदारों का कहना है कि इस बार हर्बल रंगों की मांग ज्यादा है, वहीं ग्राहक भी सेहत और सौहार्द दोनों का ध्यान रखने की बात कर रहे हैं, क्योंकि रमजान का महीना भी साथ चल रहा है। वहीं डॉक्टरों ने साफ चेतावनी दी है कि केमिकल रंग त्वचा और आंखों के लिए खतरनाक हो सकते हैं।

दुकानदार तुषार सोनकर ने बताया-इस बार बाजार में कई नए प्रोडक्ट आए हैं। यह ह्यराधा रमनह्न का कलर फॉग है, इसे हाथ में पकड़कर जलाने पर रंगीन धुआं निकलता है। होली पॉप-अप भी आया है, जैसे बर्थडे में होता है, उसी तरह इसमें से रंग निकलता है। नया कलर स्प्रे लॉन्च हुआ है, पहले सिर्फ फॉग आता था, अब इसमें गुलाल भी निकलता है। अलग-अलग तरह के रंग स्प्रे, हर्बल गुलाल के पैकेट और लेटेस्ट डिजाइन की रंगों के ब्रांड शामिल है। दिवाली जैसे पटाखे भी हैं, जिन्हें नीचे रखकर जलाते हैं और उनमें से सात रंग निकलते हैं।

नौ तरह के रंग, भगवा की सबसे ज्यादा डिमांड

दुकानदार बबलू निषाद कहते हैं कि बाजार में नौ तरह के रंग उपलब्ध हैं। रेट अभी पिछले साल जैसा ही है, आखिर में थोड़ा-बहुत बढ़ता है। हर्बल और नॉर्मल दोनों तरह के रंग

हैं। सबसे ज्यादा डिमांड भगवा रंग की है।

सौरभ बोले- गुलाल और हल्के रंगों से खेलेंगे होली

रंग खरीदने आए सौरभ कहते हैं कि होली का त्योहार हम हमेशा की तरह खुशी से मनाते हैं। इस बार रमजान भी चल रहा है, इसलिए कोशिश है कि किसी को दिक्कत न हो। हम गुलाल और हल्के पानी वाले रंग से होली खेलेंगे। हर्बल रंग ज्यादा सुरक्षित होते हैं। जानवरों पर रंग न डालें और स्वच्छ तरीके से त्योहार मनाएं।

डॉक्टरों की चेतावनी-केमिकल रंग से स्किन रिएक्शन का खतरा

वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. राजेश श्रीवास्तव के अनुसार बाजार में मिलने वाले अधिकांश केमिकल रंग त्वचा के लिए हानिकारक होते हैं। केमिकल रंग त्वचा की ऊपरी परत को नुकसान पहुंचाते हैं। अधिक मात्रा में रंग लगाने या लंबे समय तक त्वचा पर रंग लगे रहने से खुजली, जलन और लाल चकत्ते (रैशेज) हो सकते हैं। जिन लोगों को पहले से एलर्जी या संवेदनशील त्वचा की समस्या है, उनमें रिएक्शन का खतरा अधिक रहता है।

वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. राजेश श्रीवास्तव के अनुसार बाजार में मिलने वाले अधिकांश केमिकल रंग त्वचा के लिए हानिकारक होते हैं।

वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. राजेश श्रीवास्तव के अनुसार बाजार में मिलने वाले अधिकांश केमिकल रंग त्वचा के लिए हानिकारक होते हैं।

एलर्जी के लक्षणों को न करें नजरअंदाजह्न

त्वचा पर सूजन, लालिमा, जलन या पानी वाले दाने दिखें तो तुरंत सावधान हो जाएं।

हल्की समस्या में एंटी-एलर्जिक दवा ली जा सकती है, लेकिन दवा डॉक्टर की सलाह से ही लें।

जिस रंग से एलर्जी हुई हो, उससे दोबारा संपर्क न करें।

परेशानी बढ़ने पर तुरंत त्वचा रोग विशेषज्ञ से मिलें।

होली खेलने से पहले त्वचा की सुरक्षाह्न

चेहरे और शरीर पर पहले से नारियल या सरसों का तेल लगा लें।

इससे रंग त्वचा में गहराई तक नहीं जाएगा और आसानी से उतर जाएगा।

रंग छुड़ाने के लिए केमिकल साबुन की जगह बेसन या आटे में सरसों का तेल मिलाकर बना उबटन इस्तेमाल करें।

बच्चों की त्वचा बेहद कोमल होती है, इसलिए उन पर रिएक्शन जल्दी हो सकता है।

तेज रंग या पक्के रंग बच्चों के लिए ज्यादा नुकसानदायक साबित हो सकते हैं।

बच्चों को हल्के और हर्बल रंगों तक सीमित रखें।

डॉक्टरों की सलाहह्न

हमेशा हर्बल रंगों का चयन करें।

त्वचा और आंखों की पहले से सुरक्षा करें।

किसी भी प्रकार की एलर्जी या जलन को हल्के में न लें।

जरूरत पड़ने पर तुरंत विशेषज्ञ डॉक्टर से संपर्क करें।

लखनऊ में मोदी-योगी छाप पिचकारी की धूम : फ्लेवर आइसक्रीम पटाखा सबकी पसंद; ह्यहिंदुस्तान की बोली-घर-घर होलीह्न वाली टी-शर्ट आईं

2027 के यूपी विधानसभा चुनाव से करीब 1 साल पहले होली से माहौल बन रहा है। लखनऊ की दुकानों में पिचकारियां आ गई हैं। इनमें मोदी-योगी छाप और धनुष-बाण छाप पिचकारी की धूम है। गुलाल वाले पटाखे भी आ गए हैं। बच्चों को ये सभी पिचकारियां भा रही हैं।

होली की पिचकारी पर पीएम मोदी की तस्वीर के साथ ह्यहिंदुस्तान की बोली - घर-घर होलीह्न जैसे स्लोगन प्रिंट हैं। पिचकारी में पीएम नरेंद्र मोदी, ब्रह्मोस, कुल्हाड़ी, हथौड़ा और म्यूजिकल ट्रेंड में हैं। इसके अलावा ऐसी सफेद टीशर्ट आई है जो पानी पड़ते ही रंगीन हो जाएगी।

बिरयानी शॉप के फ्रीजर में मिला युवक का शव, मचा हड़कंप

लखनऊ: लखनऊ में एक बिरयानी शॉप में युवक का शव मिलने से हड़कंप मच गया. सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है. हालांकि, अभी तक शव की पहचान नहीं हो पाई है.

राजधानी लखनऊ से एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है. जहां बीकेटी थाना क्षेत्र में जीसीआरजी कॉलेज के सामने स्थित एक बिरयानी की दुकान के डीप फ्रीजर में एक युवक का शव मिला है. दुकान पिछले चार दिनों से बंद थी. बताया जा रहा है कि दुकान संचालक सनी रावत के पिता का देहांत हो गया था, जिसके चलते अंतिम संस्कार के दौरान दुकान बंद कर दी गई थी.

जब दुकान मालिक वापस पहुंचा और डीप फ्रीजर खोला तो अंदर एक युवक की लाश देखकर उसके होश उड़ गए. शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया और दहशत का माहौल बन गया. मृतक की पहचान फिलहाल नहीं हो पाई है. पुलिस उसके शिनाख्त में जुटी हुई है.

मामले की जांच में जुटी पुलिस सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और फॉरेंसिक टीम को भी बुलाया गया. मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है. पूरे मामले की गहन जांच की जा रही है.

बीकेटी थाना पुलिस ने बताया कि यहां एक बिरयानी की दुकान के फ्रीजर से एक व्यक्ति का शव बरामद किया गया. मामले में जांच की जा रही है और दुकान मालिक से पूछताछ की जा रही है. फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है.

महाराजा अग्रसेन स्कूल में वार्षिक पुरस्कार समारोह: लखनऊ में छात्रों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना

लखनऊ, (जीएनएस)।

मोती नगर स्थित महाराजा अग्रसेन पब्लिक स्कूल में वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि राजेंद्र अग्रवाल ने छात्रों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की।

अग्रवाल ने छात्रों और अभिभावकों को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि शिक्षकों और विद्यालय प्रबंधन के संयुक्त प्रयासों का

परिणाम है। उन्होंने सफलता के लिए कड़ी मेहनत, स्पष्ट लक्ष्य और निरंतर प्रयास को महत्वपूर्ण बताया। अग्रवाल ने विश्वास व्यक्त किया कि यदि छात्र और शिक्षक पूरी निष्ठा से कार्य करें, तो एम.ए.पी.एस का प्रत्येक छात्र भविष्य में सफल होगा।

छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए हर संभव सहयोग

विद्यालय के प्रबंधक सुधीर एस. हलवासिया ने बताया कि यह अग्रवाल शिक्षा संस्थान द्वारा संचालित एक चैरिटेबल स्कूल है। उन्होंने कहा कि यहां छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए हर संभव सहयोग प्रदान किया जाता है। पुरस्कार वितरण समारोह के बाद छात्रों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। मनमोहक नृत्य प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया और खूब तालियां बटोरीं।

फूलों की होली खेली गई

कार्यक्रम में होली का उल्लास भी देखने को मिला। मीडिया प्रभारी सुधीश गर्ग ने बताया कि इस दौरान फूलों की होली खेली गई। सभी उपस्थित लोगों ने एक-दूसरे को गुलाल और पुष्प अर्पित कर प्रेम और सौहार्द के साथ पर्व मनाया।संस्था के अध्यक्ष देशराज अग्रवाल ने सभी को होली की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर लोकराम अग्रवाल, विनोद अग्रवाल, जितेंद्र जिंदल, अमित अग्रवाल और प्रधानाचार्या रुचि पुरी सहित कई गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

लखनऊ में रात में भी गर्मी शुरू:मार्च में सामान्य से अधिक गर्म रहेगा मौसम, 3 डिग्री तक बढ़ेगा तापमान

(जीएनएस)।

लखनऊ में सुबह से मौसम साफ है। चटक धूप निकली है। मौसम विभाग का अनुमान है कि आज लखनऊ का अधिकतम तापमान 32 डिग्री और न्यूनतम तापमान 15 डिग्री रहने की संभावना है। रात में सामान्य से अधिक गर्मी दर्ज हुई।

शनिवार को लखनऊ का अधिकतम तापमान 31.7 डिग्री और न्यूनतम तापमान 3.6 डिग्री रहा है। न्यूनतम तापमान 14.8 डिग्री रहा। यह सामान्य से 2 डिग्री अधिक रहा है। अधिकतम आर्द्रता 89 फीसदी और न्यूनतम आर्द्रता 25 फीसदी रही।

मार्च में सामान्य से गर्म रहेगा

मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि लखनऊ में मार्च के पहले सप्ताह के शुरूआती 3-4 दिनों तक 25-35 किमी/घंटा की रफ्तार से तेज उत्तरी-पश्चिमी हवाएं चलेंगी, जिससे तापमान में कोई खास बदलाव नहीं होगा। लेकिन सप्ताह के अंत से अधिकतम और न्यूनतम तापमान में 2-3 डिग्री की क्रमिक बढ़ोतरी शुरू हो सकती है, और सामान्य से अधिक तापमान का दौर जारी रहेगा।

लखनऊ में सुबह से मौसम साफ है।

पूरी गर्मी रात होगी अधिक गर्म

उत्तर प्रदेश में आगामी ग्रीष्म ऋतु (मार्च-अप्रैल-मई) के दौरान गर्मी का प्रकोप बढ़ने वाला है। मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश में औसत अधिकतम तापमान सामान्य से 1-3 डिग्री सेल्सियस अधिक और न्यूनतम तापमान सामान्य से 1-2 डिग्री अधिक रहने की संभावना है।पिछली शीत ऋतु में पश्चिमी विक्षोभों की कम सक्रियता के कारण सामान्य से कम वर्षा हुई, जिससे तापमान पहले से ही ऊपर रहा।

अब भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर में जारी ला-निना की स्थिति कमजोर हो रही है और यह तटस्थ नीनो में बदलने वाली है। हिंद महासागरीय द्विध्रुव भी तटस्थ रहने की उम्मीद है। इन सबके संयुक्त प्रभाव से मार्च में ज्यादातर इलाकों में अधिकतम तापमान सामान्य के आसपास रह सकता है और हीट वेव की संभावना कम है। लेकिन अप्रैल-मई में पूर्वांचल और तराई इलाकों में लू के दिनों की संख्या बढ़ने का अलर्ट है। न्यूनतम तापमान भी पूरे सीजन में सामान्य से अधिक रहने की संभावना जताई गई है, जिससे रातें भी गर्म रह सकती हैं।

मौसम विभाग ने सावधानी बरतने का अलर्ट जारी किया

ज्यादा धूप में निकलने से बचें, खासकर दोपहर 12 से 4 बजे के बीच।

खूब पानी पीएं, ओआरएस और नमक-चीनी का घोल लें।

हल्के रंग के कपड़े पहनें और सिर ढककर निकलें।

बुजुर्गों, बच्चों और बीमार लोगों का विशेष ध्यान रखें।

श्योपुर के कूनो में बड़ा वन्यजीव मिशन: सीएम मोहन यादव ने 53 घड़ियाल और 25 कछुए नदी में छोड़े

(जीएनएस)।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज श्योपुर जिले के कूनो नेशनल पार्क में एक महत्वपूर्ण जैव विविधता संरक्षण कार्यक्रम में हिस्सा लिया। मुख्यमंत्री ने स्वयं 53 घड़ियाल और 25 कछुओं को कूनो नदी में रिलीज किया।

यह कार्यक्रम राज्य सरकार की 'प्रोजेक्ट गंगा' और जैव विविधता संरक्षण की व्यापक पहल का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य लुप्तप्राय प्रजातियों को बचाना और नदी पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करना है।

कार्यक्रम का विवरण

मुख्यमंत्री ने कूनो नेशनल पार्क के वन्यजीव संरक्षण क्षेत्र में पहुंचकर सबसे पहले घड़ियालों और कछुओं

को देखा। इन जीवों को विशेष कंटेनरों में सुरक्षित रखा गया था। डॉ. मोहन यादव ने स्वयं इन जीवों को कूनो नदी में छोड़ा, जो चंबल नदी बेसिन का हिस्सा है। इस दौरान वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, वन्यजीव विशेषज्ञ और स्थानीय प्रशासन मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कहा, "कूनो नेशनल पार्क न केवल चीतों का घर है, बल्कि यह प्रदेश की समृद्ध जैव विविधता का प्रतीक भी है। घड़ियाल और कछुए जैसी प्रजातियां नदी पारिस्थितिकी के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं। इनकी संख्या बढ़ाने से नदी की सफाई, मछलियों का संतुलन और पर्यावरण संरक्षण में मदद मिलेगी। सरकार 'प्रोजेक्ट गंगा' के तहत लगातार ऐसे कदम उठा रही है ताकि आने वाली पीढ़ियां भी इन प्रजातियों को देख सकें।"

घड़ियाल और कछुओं की रिलीज का महत्व

घड़ियालः विश्व की सबसे लंबी थूथन वाली मगरमच्छ प्रजाति, जो मुख्यतः भारत की गंगा-ब्रह्मपुत्र-चंबल नदी प्रणाली में पाई जाती है। यह प्रजाति क्मउठ की 'क्रिटिकली एंडेंजर्ड' सूची में शामिल है। मध्य प्रदेश में चंबल नदी बेसिन में घड़ियालों की संख्या बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास हो रहे हैं।

लखनऊ एयरपोर्ट पर 18 करोड़ की हाइड्रोपोनिक वीड बरामद, बैंकॉक से आए दो यात्री गिरफ्तार

कस्टम आयुक्त मयंक शरण शर्मा ने बताया कि दोनों यात्रियों को गिरफ्तार कर लिया गया है.

(जीएनएस)।

लखनऊ : राजधानी के चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर शनिवार को बैंकॉक से आए दो यात्रियों के पास से लगभग 18 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक वीड (गांजा) बरामद किया गया. हाइड्रोपोनिक वीड की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कुल कीमत 17 करोड़ 96 लाख रुपये आंकी गई है. दोनों तस्कर बैंकॉक से लखनऊ पहुंचे थे, जहां पर राजस्व आसूचना निदेशालय (डीआरआई) की टीम ने उन्हें पकड़ा. दोनों यात्रियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है.

जानकारी के मुताबिक, दोनों

आरोपी एयर एशिया की उड़ान संख्या ऋ्रऊ-146 बैंकॉक से लखनऊ पहुंचे थे. दो यात्रियों के पास से 12 पॉलिथीन में पैक किया हुआ हाइड्रोपोनिक वीड बरामद हुआ है. डीआरआई की टीम ने प्रतिबंधित सामग्री को अपने कब्जे में लेते हुए दोनों यात्रियों को पूछताछ के लिए हिरासत में ले लिया. प्रतिबंधित सामग्री की जांच के बाद दोनों यात्रियों को गिरफ्तार करते हुए न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है. आरोपियों की पहचान यूपी के मोहम्मद फराज और झारखंड की नीतू के रूप में हुई है.

कस्टम आयुक्त मयंक शरण शर्मा ने बताया कि बैंकॉक से लखनऊ एयरपोर्ट पहुंची फ्लाइट के यात्रियों की कस्टम जांच के दौरान दो यात्रियों को डीआरआई की टीम ने संदेह होने पर रोका था. उनके पास से लगभग 17 किलो से अधिक प्रतिबंधित हाइड्रोपोनिक वीड बरामद हुआ है. दोनों यात्रियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है.

लखनऊ में पार्षद ने निमार्णाधीन सड़कों का किया निरीक्षण:गुणवत्ता जांची, स्थानीय लोगों की समस्याएं सुनकर समाधान भी कराया

(जीएनएस)।

लखनऊ। सरोजनी नगर प्रथम वार्ड की पार्षद गीता देवी गुप्ता ने रविवार को वार्ड में निमार्णाधीन सड़कों का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने पंडित खेड़ा, रामदास खेड़ा, कृष्णा बिहार कॉलोनी, नारायण लोक कॉलोनी और अमौसी क्षेत्रों में चल रहे सड़क कार्यों का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान, पार्षद ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता, उपयोग की जा रही सामग्री और तकनीकी मानकों की गहनता से जांच की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों और ठेकेदारों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी कार्य निर्धारित मानकों और

पूर्ण पारदर्शिता के साथ समय पर पूरे किए जाएं।

गीता देवी गुप्ता ने जोर देकर कहा कि सड़क निर्माण में किसी भी प्रकार की लापरवाही या घटिया सामग्री का उपयोग बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने गुणवत्ता बनाए रखने पर विशेष बल दिया।

इस दौरान, पार्षद ने स्थानीय निवासियों से भी बातचीत की और उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने मौके पर ही कुछ शिकायतों का समाधान भी कराया, जिससे लोगों को तुरंत राहत मिली।

पार्षद गीता देवी गुप्ता ने कहा कि क्षेत्र का समग्र विकास उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने यह भी बताया कि गुणवत्तापूर्ण सड़कें ही क्षेत्र की प्रगति का आधार होती हैं।

निरीक्षण के इस अवसर पर कई स्थानीय निवासी भी मौजूद रहे।

अविमुक्तेश्वरानंद ने की घोषणा, 11 मार्च को लखनऊ में गो माता के संरक्षण के लिए गो प्रतिष्ठा धर्म युद्ध का आयोजन

वाराणसी। , (जीएनएस)। इलाहाबाद हाईकोर्ट में कुछ दर्ि नों तक के लर्ि ए मर्ि ली राहत के बाद रर्वि वार को श्रीर्वि द्या मठ में एक बार फर्ि र से आंदोलन की रूपरेखा तय करने की शुरआत हुई। स्र्ि वामी अर्वि मुर्क्ि तेर्श्ि वरानंद ने प्रेसवार्ता कर गोमाता के संरक्षण के लिए धर्म युद्ध को लेकर अपनी रणनीर्ि तर्ि बताई।

अविमुक्तेश्वरानंद ने घोषणा की है कि 11 मार्च को लखनऊ में गो माता के संरक्षण के लिए गो प्रतिष्ठा धर्म युद्ध का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा, जिसमें 6 मार्च से संकल्प दिवस से लेकर 11 मार्च तक निर्णायक शंखनाद जैसे कार्यक्रम शामिल हैं।

अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि गो माता का संरक्षण केवल धार्मिक दृष्टिकोण से नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक दृष्टिकोण से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि गो माता हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा हैं और उनका संरक्षण करना हमारी जिम्मेदारी है। इस धर्म युद्ध का उद्देश्य समाज में गो माता के प्रति जागरूकता फैलाना और उनके संरक्षण के लिए लोगों को प्रेरित करना है।

उन्होंने ये चेतावनी रविवार को केदारघाट स्थित श्रीविद्या मठ में पत्रकारवार्ता में दी।

कहा कि 30 दिन पूर्ण हो चुके हैं और शेष 10 दिनों में प्रदेश सरकार

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने प्रदेश सरकार को चेतावनी दी है कि गो माता को राज्य माता घोषित करने व प्रदेश से बीफ निर्यात पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की उनकी ओर से सरकार को दी गई 40 दिन की अवधि पूर्ण होने पर 12 मार्च को लखनऊ में गो प्रतिष्ठा धर्म युद्ध का शंखनाद किया जाएगा। यदि उनकी मांगों को नहीं पूर्ण करती तो उसकी जिम्मेदारी प्रदेश सरकार की होगी। उन्होंने पत्रकार वार्ता के दौरान इस निमित्त छह मार्च से लेकर 11 मार्च तक के विविध कार्यक्रमों की घोषणा की। उन्होंने कहा कि छह मार्च को शंकराचार्य घाट पर 'गो-ब्राह्मण प्रतिपालक' वीर शिवाजी महाराज की जयंती के अवसर पर गंगामाता की पूजा कर धर्मयुद्ध शंखनाद का संकल्प होगा।

आयोजन की रूपरेखा

सात मार्च को सुबह 8.30 बजे श्रीविद्या मठ से प्रस्थान कर संकटमोचन मंदिर में संकटमोचन हनुमानाष्टक, हनुमान चालीसा और बजरंग बाण के पाठ के साथ विघ्नों के नाश की प्रार्थना कर यात्रा शुरू की जाएगी। यात्रा के दौरान उसी दिन जौनपुर , सुल्तानपुर व रायबरेली में सभा व रात्रि विश्राम होगा। आठ मार्च को मोहनलालगंज, लालगंज अचलगंज व उन्नाव में सभा एवं रात्रि विश्राम किया जाएगा।

नौ मार्च को उन्नाव, बांगरमऊ बघौली नैमिषारण्य में सभा एवं रात्रि विश्राम होगा। 10 मार्च को नैमिषारण्य से प्रस्थान कर सिधौली इटौंजा में सभा करते हुए लखनऊ सीमा में प्रवेश एवं रात्रि विश्राम किया जाएगा। 11 मार्च को दोपहर सवा दो से पांच बजे तक कांशीराम स्मृति सांस्कृतिक स्थल, पासी किला चौराहा, आशियाना में विद्वानों की सभा होगी।

लखनऊ में बिजली उपकेंद्र के संविदा कर्मी की मौत के मामले में चार अभियंता निलंबित

गोमती नगर जोन के कल्याणपुर बिजली उपकेंद्र में तैनात था संविदा कर्मी परशुराम

एमडी मध्यांचल की जांच में दोषी पाए गए अभियंता, विद्युत सुरक्षा निदेशालय करेगा जांच

लखनऊ। (जीएनएस)। योगी आदित्यनाथ सरकार के बिजली उपकेंद्र में सुरक्षा के संसाधन उपलब्ध कराने के बाद भी लापरवाही जारी है। गोमती नगर जोन के अंतर्गत आने वाले कल्याणपुर बिजली उपकेंद्र पर कार्यरत संविदा कर्मी परशुराम रावत की करंट लगने से मौत के प्रकरण में चार दोषी अभियंताओं को निलंबित किया गया है।

संविदा कर्मी परशुराम रावत की मौत की घटना को मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड की प्रबंध निदेशक रिया केजरीवाल ने गंभीरता से लिया। पूरा मामला समझा और जांच कराने के बाद चार दोषी अभियंताओं को निलंबित कर दिया है।

अमौसी जोन में आठ अभियंताओं व 24 बाबुओं के तबादले के बाद यह दूसरी बड़ी कार्रवाई है। अभी तक किसी संविदा कर्मी की मौत पर किसी एमडी की यह सबसे बड़ी कार्रवाई

मानी जा रही है। एमडी ने पूरी घटना की जांच विद्युत सुरक्षा निदेशालय की टीम को सौंपी है। उसकी रिपोर्ट के आधार पर अन्य कई पर भी गाज गिर सकती है।

इस केस में पहले अधिशासी अभियंता प्रीतम सिंह, सेक्टर चार गोमती नगर, 33 केवी को निलंबित किया गया। इसके बाद सहायक अभियंता 33 केवी अमित कुमार को भी निलंबित कर दिया गया। दोनों अभियंता को बरेली क्षेत्र प्रथम, बरेली से संबंद्ध कर दिया गया है। अवर अभियंता 33 केवी धर्मेंद्र कुमार व रामधीरज को निलंबित करते हुए अधीक्षण अभियंता वाणिज्य गोमती नगर कार्यालय से संबंद्ध किया गया है। वहीं इस पूरे प्रकरण की जांच के लिए एक कमेटी का भी गठन किया गया है।

परशुराम रावत की मौत के प्रकरण में एमडी ने जांच में पाया गया कि दुर्घटना मानकों की अनदेखी करने के कारण घटित हुई। इससे स्पष्ट हो गया है कि विभागीय कार्य में शिथिलता और उत्तरदायित्व के निर्वहन में घोर लापरवाही बरती गई। अधीनस्थों ने उच्चाधिकारियों के निदेर्शों भी पालन नहीं किया।

यह था पूरा मामला

कल्याणपुर के जगरानी अस्पताल के पास शुक्रवार रात डेढ़ बजे के 33 हजार केवी लाइन के जंपर का फ्यूज उड़ गया था। इसको ठीक करने के लिए लाइनमैन परशुराम के साथ तीन अन्य कर्मियों को भेजा गया था।

33,000 केवी लाइन पर तकनीकी कर्मचारी को काम करना था, लेकिन उसने संविदा लाइनमैन को बिना सुरक्षा बेल्ट के सीढ़ी पर चढ़ा दिया। लाइन के जंपर को छूते ही परशुराम को करंट का झटका लगा और वह नीचे सिर के बल गिरा जिससे मौके पर ही मौत हो गई।

जमीन बिक्री के नाम पर ₹60 लाख की धोखाधड़ी:लखनऊ में 7 लोगों पर एफआईआर, पुलिस जांच में जुटी

लखनऊ, (जीएनएस)।

लखनऊ में जमीन बिक्री के नाम पर 60 लाख रुपये की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। गोसाईगंज के सदरपुर बाजार निवासी रमेश रावत ने सात लोगों पर धोखाधड़ी और कूटरचना का आरोप लगाया है। डीसीपी दक्षिणी के आदेश पर बिजनौर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पीड़ित रमेश रावत ने मलिहाबाद के हेमारापुर निवासी विजय कुमार, विपिन कुमार, अजय कुमार, जगत कुमारी, संजू गौतम, नीतू गौतम के साथ-साथ वकील अहमद और कृष्णा सेठी नामक दो अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है।

बात करने पर बताया कि विवादमुक्त है जमीन

रमेश के अनुसार, प्रॉपर्टी डीलिंग से जुड़े कुछ लोगों के माध्यम से उनकी मुलाकात वकील अहमद से हुई थी। वकील अहमद ने सदर के माल एवेन्यू निवासी कृष्णा सेठी को बुलाकर उन्हें जमीन दिखाने के लिए कहा।

आरोपियों ने सरोजनी नगर तहसील के बिजनौर परगना स्थित लोनहा में खसरा संख्या 977 की भूमि दिखाई। उन्होंने बताया कि यह जमीन विक्रेताओं के नाम खतौनी में दर्ज है और पूरी तरह विवादमुक्त है। आरोपियों ने भरोसा दिलाया कि पहले बैनामा करा लिया जाएगा, बाद में भूमि को आवासीय करा दिया जाएगा।

दो बार 30-30 लाख रुपए लिए

पीड़ित का आरोप है कि 15 फरवरी 2025 को 30 लाख रुपए में बैनामा कराया गया। इसके अतिरिक्त, 30 लाख रुपए आवासीय और दाखिल-खारिज कराने के नाम पर अलग से लिए गए।

छह माह बाद भी भूमि आवासीय न होने पर जब रमेश ने जानकारी की, तो पता चला कि संबंधित जमीन पहले ही किसी अन्य व्यक्ति को बेची जा चुकी थी। रमेश रावत को तब खुद के साथ ठगी होने का एहसास हुआ।

रमेश रावत का आरोप है कि जब उन्होंने इस बारे में आरोपियों से पूछा, तो उन्होंने जातिसूचक गालियां दीं और जान से मारने की धमकी भी दी। फिलहाल, डीसीपी (दक्षिणी) के आदेश पर बिजनौर पुलिस ने संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच जारी है।

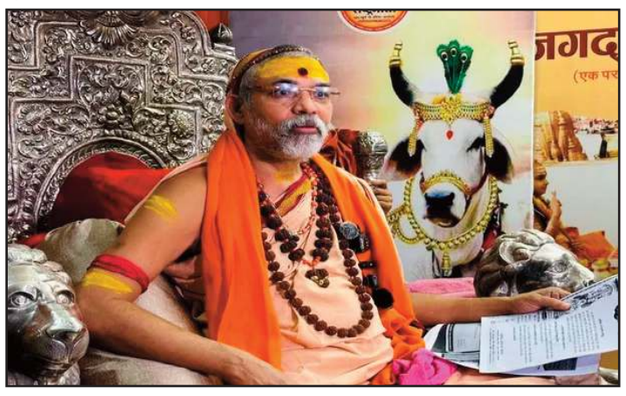

लखनऊ-दिल्ली नेशनल हाईवे पर खड़े ट्रक में घुसीं दो बस, 27 घायल; ब्रेक ना लगने से हुई दुर्घटना

शाहजहांपुर में लखनऊ-दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग पर रविवार शाम को एक खड़े ट्रक में दो रोडवेज बसें टकरा गईं। इस हादसे में दोनों बसों में सवार 27 लोग घायल शाहजहांपुर में लखनऊ-दिल्ली हाईवे पर हादसा।

(जीएनएस)।

शाहजहांपुर। लखनऊ-दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग पर रविवार शाम को तिलहर क्षेत्र में खड़े खराब ट्रक में दो रोडवेज बसें पीछे से घुस गईं। बसों में सवार 27 लोग घायल हो गए। धनेली पलटू गांव के सामने खराब ट्रक खड़ा करके चालक मिस्त्री ढूंढने गया था।

इस बीच बरेली की ओर से आ रही सीतापुर डिपो की बस ट्रक में पीछे से घुस गई। अचानक हुए हादसे में पीछे से आ रही रुहेलखंड डिपो के बस का चालक भी ब्रेक नहीं लगा सका और दुर्घनाग्रस्त बस में जा घुसा।

दोनों बसों में सवार करीब 27 लोग घायल हो गए, जिसमे सीतापुर डिपो के बस चालक आशुतोष वाजपेयी, सहायक चालक अरुण शुक्ला, पुवायां निवासी विपिन गुप्ता, मोहम्मदी के परसौना खलीलपुर गांव निवासी सोनू, लखीमपुर के कमरखेड़ा गांव निवासी सुनील, साधू, पिथौरागढ़ निवासी ओमप्रकाश जोशी, निगोही निवासी सुनील, लखनऊ के आवास विकास कालोनी निवासी सोनू विश्वकर्मा, मोहम्मदी निवासी हिमांशी आदि घायल हो गए।

'बयानबाजी से नहीं छिपेगा 11 साल का हिसाब', जंतर-मंतर पर केजरीवाल की रैली पर बीजेपी का पलटवार

दिल्ली बीजेपी अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने जंतर-मंतर पर अरविंद केजरीवाल की रैली पर प्रतिक्रिया देते हुए उनके 11 साल के कार्यकाल को शून्य विकास और घोटालों से भरा बताया। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार का एक साल बदलाव और विकास से परिपूर्ण रहा। सचदेवा ने रेखा गुप्ता सरकार के विकास कार्यों की सराहना करते हुए आप पर राजनीतिक बयानबाजी का आरोप लगाया।

नई दिल्ली, (जीएनएस)। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने रविवार को आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल की असफल शासन प्रणाली पर निशाना साधा। उन्होंने शराब नीति मामले में हाल ही में अदालत से मिली राहत के बाद खुद को एक स्वच्छ और अच्छा प्रशासक के रूप में पेश करने के पूर्व दिल्ली मुख्यमंत्री के प्रयास की कड़ी आलोचना की।

सचदेवा ने कहा कि अरविंद केजरीवाल का 11 साल का कार्यकाल शून्य विकास, भ्रष्टाचार, घोटालों और ह्यशीश महलह्न के लिए जाना जाता है, जबकि भाजपा सरकार का एक साल का कार्यकाल बदलाव और विकास से भरा रहा है।

'बीजेपी के दोषी ठहराने की लगातार कोशिश करती है आप'

जंतर-मंतर पर केजरीवाल की रैली पर प्रतिक्रिया देते हुए दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी की समस्या यह है कि जैसे ही उन्हें थोड़ी सी भी राजनीतिक जगह मिलती है, वे भाजपा को दिल्ली से लेकर पंजाब, गुजरात, गोवा और यहां तक कि इजराइल और अमेरिका तक के मुद्दों के लिए दोषी ठहराते हुए राजनीतिक बयानबाजी शुरू कर देते हैं।

सचदेवा ने कहा कि केजरीवाल की मुश्किल यह है कि उन्हें दिल्ली में 11 साल तक शासन करने का मौका मिला और अब वे पंजाब में तीन साल से अधिक समय से सरकार चला रहे हैं, फिर भी दोनों ही जगहों पर उन्होंने कोई विकास कार्य नहीं किया है। उन्होंने आगे कहा कि हालांकि, इस समस्या का समाधान करने के बजाय, वे एक साल पुरानी दिल्ली सरकार पर सवाल उठा रहे हैं और गुजरात और गोवा में भाजपा सरकारों से जवाब मांग रहे हैं, जबकि वहां उन्हें बार-बार निराशा ही मिली है। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सात दिनों के भीतर सभी सात संसदीय क्षेत्रों में जनता के सामने अपना एक साल का रिपोर्ट कार्ड पेश करके देश भर में एक अनूठा उदाहरण पेश किया है।

रेखा सरकार की जमकर की तारीफ

सचदेवा ने कहा कि रेखा गुप्ता सरकार ने लोक निर्माण विभाग, दिल्ली जल बोर्ड, बाढ़ नियंत्रण विभाग और परिवहन विभाग के माध्यम से हजारों करोड़ रुपए के विकास कार्य किए हैं। उन्होंने कहा कि इसके अलावा, प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के लिए अलग-अलग विकास निधि के रूप में 100 करोड़ रुपए आवंटित करके, सरकार ने जन प्रतिनिधियों को विकास के नए अवसर प्रदान किए हैं।

उन्होंने आगे कहा कि केजरीवाल का 11 साल का कार्यकाल शून्य विकास, भ्रष्टाचार, घोटालों और 'शीश महल' से भरा रहा, जबकि भाजपा सरकार का एक साल का कार्यकाल बदलाव और विकास से परिपूर्ण रहा

आप ने जंतर मंतर में विशाल रैली का किया आयोजन, अरविंद केजरीवाल ने हजारों समर्थकों को संबोधित किया

(जीएनएस)।

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने रविवार को दिल्ली के जंतर मंतर पर विशाल रैली कर देश को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि 140 करोड़ लोग मिलकर देश से तानाशाह सरकार उखाड़ फेंकेंगे। ये लोग सत्ता की राजनीति करें और हम जनता के लिए काम करेंगे। आज से यह बदलाव की गिनती शुरू हो गई है। उन्होंने कहा कि मोदी जी कहते रहे कि दिल्लीवालों का 'बेटा' भ्रष्ट और है, लेकिन कोर्ट ने साफ कर दिया कि केजरीवाल कट्टर ईमानदार था, है और रहेगा।

कांग्रेस के भ्रष्टाचार से तंग आकर लोगों ने बड़ी उम्मीदों से मोदी जी को पूर्ण बहुमत दिया। आज देश का हर सेक्टर बर्बाद है। इस दौरान दिल्ली, पंजाब, गुजरात, गोवा समेत विभिन्न प्रांतों से आए "आप" नेताओं, कार्यकताओं और हजारों आम लोगों ने 'पढ़ा-लिखा दमदार है, मेरा केजरीवाल कट्टर ईमानदार है' के जमकर नारे लगाए।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि पिछले चार साल से पीएम नरेंद्र मोदी और अमित शाह ने षड़यंत्र रच कर दिल्ली के लोगों को बहुत परेशान और दुखी किया। उन्होंने कहा कि केजरीवाल चोर है, भ्रष्टाचारी है, केजरीवाल ने शराब घोटाला किया है, केजरीवाल 100 करोड़ खा गया। दिन भर मीडिया में डिबेट चलता था।

दिल्ली के लोगों को बहुत दुखी किया। जज साहब ने फैसला सुनाया है कि मोदी जी झूठ बोल रहे हैं, केजरीवाल कट्टर ईमानदार है। पूरा केस फर्जी है, कोई सबूत नहीं है। उन्होंने कहा कि सदियों के बाद ऐसा फैसला आया है।

मोदी जी और अमित शाह ने आम आदमी पार्टी को ठिकाने लगाने के लिए पूरे केस को व्यक्तिगत मॉनिटर कर रहे थे कि केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, सत्येंद्र जैन, संजय सिंह छूटना नहीं चाहिए। कोर्ट का यह फैसला मोदी जी, अमित शाह और भाजपा के गाल पर जोरदार तमाचा है।

मैं भारत मां से बहुत प्यार करता हूं, अपना पूरा जीवन देश की सेवा के लिए समर्पित कर दिया- केजरीवाल

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि मैं अपने देश से बहुत प्यार करता हूं। जब मैं आईआईटी में पढ़ता था, तो मेरे बहुत अच्छे नंबर आए। मैं चाहता तो नौकरी करने अमेरिका जा सकता था। मेरे बहुत सारे दोस्त विदेश गए हैं। लेकिन उस समय मेरे मन में ख्याल आया कि देश का बहुत बुरा हाल है। अगर बड़े-बड़े संस्थाओं से पढ़ कर सारे लोग विदेश चले जाएंगे तो अपने देश को कौन संभालेगा, कौन ठीक करेगा। मैं अमेरिका नहीं गया। मैं अपने देश में रहा और इनकम टैक्स विभाग में असिस्टेंट कमिश्नर की नौकरी करने लगा। उन्होंने एक घटना का जिक्र करते हुए कहा कि मेरे पास एक सीए आया और उसने अपना केस करवाया और कहा कि सेवा बताइए। बोला कि कितने पैसे लगेंगे? मैंने कहा कि मैं रिश्वत नहीं लेता। उसने कहा कि आपके नाम पर पैसे लाया हूं, नहीं लेंगे तो खुद रख लूंगा।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि धीरे-धीरे पूरे विभाग में फैल गया कि केजरीवाल कट्टर ईमानदार है। एक पैसा नहीं लेता है। पूरे विभाग के लोग मेरी ईमानदारी की कसमें खाया करते थे। फिर किस्मत ने मुझे दिल्ली का मुख्यमंत्री बना दिया। 10 साल दिल्ली का मुख्यमंत्री रहा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पता नहीं क्यों मुझसे नफरत करते हैं? मैंने तो उनका कुछ नहीं बिगाड़ा। इसके बाद भी मोदी जी ने मेरे खिलाफ पता नहीं कितनी जांच करवाई। लेकिन 10 साल के अंदर एक रुपए का भ्रष्टाचार नहीं मिला। इन 10 सालों में पता नहीं कितनी फाइलों पर साइन किए थे। कोई एक ठेकेदार खड़ा होकर कह दे कि केजरीवाल ने पैसे मांगे थे, मैं राजनीति छोड़ दूंगा। मैंने अपने जीवन सिर्फ ईमानदारी कमाई हैं। क्योंकि मैं भारत से बहुत प्यार करता हूं। जब कोई देश से गद्दारी करता है और अपमान करता है तो खून खौल उठता है।

12 साल में मोदी जी ने देश का बेड़ा गर्क कर दिया- केजरीवाल

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि कांग्रेस की सरकार में टूजी, कॉमनबेल्थ, कोयला समेत अन्य घोटालों से लोग परेशान हो गए थे। 2014 में कांग्रेस के भ्रष्टाचार से तंग आकर लोगों ने बड़ी उम्मीदों के साथ मोदी जी की पूर्ण बहुमत की सरकार बनाई। लोगों को बड़ी उम्मीद थी कि अब देश बदलेगा, मोदी जी कुछ करेंगे। मोदी जी को प्रधानमंत्री बने 12 साल हो गए, लेकिन जनता को कुछ नहीं मिला। लोगों की जिंदगी नहीं सुधरी। न अच्छी सड़कें हैं, न पीने का पानी है, न सीवर है, न 24 घंटे बिजली है, हवा में प्रदूषण है। इन 12 साल में इन लोगों ने देश का बेड़ा गर्क कर